संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-21 अंक- 239
पृष्ठ 8
मंगलवार
20 मई 2025
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- पैरेंटिंग टिप्सः रिजल्ट से नहीं...

विचार- श्रेष्ठ सफलता के लिए चिंता नहीं...

खेल- तीन टीमों ने प्लेऑफ के लिए...

लघु एवं सीमांत किसानों को सस्ती दर पर सरलता से मिले ऋण : योगी

● सहकार से होगी समृद्धि, मुख्यमंत्री कृषक समृद्धि योजना के लिए मांगी कार्ययोजना

● सहकारिता से आत्मनिर्भर किसान का सपना होगा साकार

लखनऊ, संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश के लघु एवं सीमांत किसानों की आय में वृद्धि और आर्थिक सशक्तिकरण के उद्देश्य से 'मुख्यमंत्री कृषक समृद्धि योजना' प्रारंभ करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार किसानों को कर्ज के बोझ से मुक्ति दिलाने, उनकी कृषि उत्पादकता बढ़ाने और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के लिए सतत प्रयासरत है। ऐसे में किसानों को सस्ती दर पर सरलता से ऋण उपलब्ध कराने का प्रयास किया जाना चाहिए। यह योजना इसी दिशा में एक प्रभावी कदम सिद्ध होगी।सोमवार को सहकारिता विभाग की समीक्षा बैठक में इस महत्वाकांक्षी योजना की रूपरेखा प्रस्तुत की गई, जिसे मुख्यमंत्री ने दूरदर्शी और किसान–हितैषी पहल बताया। उन्होंने प्रस्तावित मुख्यमंत्री कृषक समृद्धि योजना में नाबार्ड के साथ–साथ सहकारी बैंकों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि योजना का क्रियान्वयन प्रभावी और समयबद्ध हो। सहकारी बैंकों की ऋण वितरण क्षमता को बढ़ाने, शाखाओं के आधुनिकीकरण हेतु वित्तीय सहायता उपलब्ध कराने और किसानों तक ऋण की सुगमता पर बल दिया गया। योजना का विस्तृत प्रस्ताव शीघ्र तैयार कर प्रस्तुत किया जाए। बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने सहकारिता क्षेत्र की समग्र समीक्षा करते हुए सहकारी संस्थाओं की भूमिका को और अधिक प्रभावी बनाने पर बल दिया। उन्होंने विशेष रूप से लघु और सीमांत किसानों की आय में वृद्धि, पारदर्शिता और दक्षता को सहकारिता क्षेत्र की प्राथमिकताओं में शामिल करने के निर्देश दिए।अधिकारियों के अनुसार उत्तर प्रदेश कोऑपरेटिव बैंक लिमिटेड का ऋण वितरण वर्ष 2017 में 9,190 करोड़ रूपये से बढ़कर वर्ष 2025 में 23,061 करोड़ रूपये तक पहुँच गया है, वहीं शुद्ध लाभ100.24 करोड़ हो गया है। इसी अवधि में जिला सहकारी बैंकों का कुल व्यवसाय 28,349 करोड़ से बढ़कर 41,234 करोड़ तक पहुँच गया और शुद्ध लाभ ध162 करोड़ दर्ज किया गया। पिछले आठ वर्षों में प्रदेश में फसली ऋण 11,516 करोड़ एवं दीर्घकालिक ऋण 393 करोड़ रूपये वितरित किया गया। उर्वरक वितरण 34.45 लाख मीट्रिक टन, धान खरीद 25.53 लाख मीट्रिक टन और दलहन–तिलहन खरीद 1.94 लाख मीट्रिक टन रही।भंडारण क्षमता में वृद्धि के लिए एआईएफ योजना के तहत 375 गोदामों का निर्माण कर 37,500 मीट्रिक टन की क्षमता विकसित की गई है। राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के अंतर्गत 2017 से अब तक 1,060 गोदामों के माध्यम से 1,17,350 मीट्रिक टन की क्षमता सृजित की गई है। वर्ष 2025–26 में 100 नए गोदामों का निर्माण प्रस्तावित है। इसके अतिरिक्त, देश की सबसे बड़ी अन्न भंडारण योजना के अंतर्गत 16 जिलों में 24 बी–पैक्स केंद्रों पर 500 से 1000 मीट्रिक टन क्षमता के गोदामों का प्रस्ताव है। मुख्यमंत्री ने भंडारण क्षमता और बढ़ाए जाने की आवश्यकता जताते हुए निर्देश दिए कि निजी क्षेत्र की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए एक उपयुक्त नीति तैयार की जाए।पीसीएफ की कार्यप्रणाली में व्यापक सुधार लाने और राइस मिलर्स के भुगतान के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने सहकारी क्षेत्र में रिक्त बैंकिंग एवं नॉन–बैंकिंग पदों की शीघ्र भर्ती के लिए आईबीपीएस के माध्यम से चयन प्रक्रिया तेज करने को कहा। इससे सहकारी संस्थाओं की कार्यक्षमता और सेवा की गुणवत्ता में सुधार होगा।एम–पैक्स समितियों की व्यावसायिक गतिविधियों में भागीदारी पर भी चर्चा हुई। मुख्यमंत्री को अवगत कराया गया कि इन्हें पीडीएस, जन औषधि, सीएससी, पीएम किसान सम्मान केंद्र और एमएसपी जैसी गतिविधियों से जोड़ा गया है। कंप्यूटरीकरण की प्रगति के तहत प्रथम चरण में 1,539, द्वितीय चरण में 1,523 और तृतीय चरण में 2,624 एम–पैक्स समितियों का कंप्यूटरीकरण किया जा रहा है।

जीईएम से लालफीताशाही खत्म, बचत भी सुनिश्चित : मोदी

नयी दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि सरकारी ई मार्केट प्लेस, जीईएम लालफीताशाही को खत्म कर वंचित लोगों के लिए

दरवाजे खोल रहा है जिससे उन्हें बचत भी हो रही है। प्रधानमंत्री कार्यालय ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल का जीईएम पर लिखा गया एक लेख साझा किया है। श्री मोदी ने इस पोस्ट में लिखा है , " सरकार के पारदर्शी शासन के प्रयासों को डिजिटल बढ़ावा मिला है। जीईएम इंडिया हाशिए पर पड़े लोगों के लिए दरवाजे खोल रहा है, लालफीताशाही को खत्म कर रहा है और भारी बचत सुनिश्चित कर रहा है।" उन्होंने कहा है कि श्री गोयल ने इस विषय पर पूरी जानकारी देने वाला ज्ञानवर्धक लेख लिखा है।

मुस्लिम पक्ष को लगा बड़ा झटका, हाईकोर्ट ने संभल जामा मस्जिद के सर्वे को दी मंजूरी

संभल, संवाददाता। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने संभल में शाही जामा मस्जिद के सर्वेक्षण के लिए निचली अदालत द्वारा जारी आदेश को बरकरार रखा। मुस्लिम पक्ष की याचिका खारिज कर दी गई। अदालत ने निचली अदालत के आदेश में कोई मुद्दा नहीं पाया। गाजियाबाद में अधिवक्ता हरि शंकर जैन ने कहा कि कोर्ट ने मुस्लिम पक्ष की दलील को खारिज कर दिया और कहा कि सर्वे सही था। जो भी सर्वे हुआ था, उसे पढ़कर रिकॉर्ड का हिस्सा बनाया जाएगा। अगर वे (मुस्लिम पक्ष) सुप्रीम कोर्ट जाते हैं तो हम उनका स्वागत करने के लिए तैयार हैं। न्यायमूर्ति रोहित रंजन अग्रवाल की अध्यक्षता वाली एकल पीठ ने मुस्लिम पक्ष की दलीलों को खारिज

करते हुए फैसला सुनाया। 13 मई को मस्जिद समिति की सिविल पुनरीक्षण याचिका पर सुनवाई पूरी करने के बाद हाईकोर्ट ने अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। इससे पहले, संभल मस्जिद प्रबंधन समिति ने जिला न्यायालय संभल में लंबित मूल मुकदमे में चल रही निचली अदालत की कार्यवाही पर रोक लगाने की मांग करते हुए एक सिविल पुनरीक्षण याचिका दायर की थी। हिंदू पक्ष के वकील एडवोकेट गोपाल शर्मा ने कहा था कि फैसले में यह बताया जाएगा कि सिविल जज सीनियर डिवीजन संभल को सर्वेक्षण का आदेश देने का अधिकार है या नहीं। शर्मा ने कहा, ध19 नवंबर 2024 को हमने याचिका दायर की थी। कोर्ट ने सर्वे का आदेश दिया था। सर्वे दो हिस्सों में हुआ था। जामा मस्जिद का पक्ष सर्वे के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट गया... सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें हाईकोर्ट जाने को कहा।ध इससे पहले, 29 अप्रैल को सर्वोच्च न्यायालय ने शाही जामा मस्जिद, संभल की प्रबंधन समिति को उत्तर प्रदेश प्राधिकारियों की स्थिति रिपोर्ट पर अपना जवाब दाखिल करने के लिए दो सप्ताह का समय दिया था, जिसमें कहा गया था कि विवादित कुआं मस्जिद के बाहर स्थित है।

नये वक्फ कानून के समर्थन में उतरे मुस्लिम बुद्धिजीवी

नयी दिल्ली, एजेंसी। मुस्लिम बुद्धिजीवियों के संगठन 'भारत फर्स्ट' ने वक्फ (संशोधन) अधिनियम 2025 को पारदर्शिता, जवाबदेही तथा जनहित की दिशा में बेहद सामयिक एवं जरूरी कदम बताते हुए सोमवार को कहा कि इस कानून ने लंबे समय

से दुर्व्यवस्था, मुकदमों और अनियमितताओं से जूझ रही भारत की मस्जिदों, कब्रिस्तानों, मदरसों, दरगाहों और सामाजिक कल्याण के लिए दान की गई अचल संपत्तियां जैसी वक्फ की संपत्तियों के प्रबंधन के लिए व्यवस्थित समाधान पेश किया है। भारत फर्स्ट संगठन के राष्ट्रीय संयोजक शीराज़ कुरैशी ने आज यहां एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि कौम का रहनुमा बनने के फेर में कुछ मुस्लिम नेता इस विधेयक पर मुसलमानों को गुमराह कर रहे हैं कि सरकार वक्फ की जमीन हड़पना चाहती है, जबकि धारा 91–ख में साफ़ प्रावधान है कि किसी वक्फ संपत्ति का अधिग्रहण तभी हो सकता है जब बोर्ड की मंजूरी हो और पूरी कीमत बाजार के दर से वक्फ विकास कोष में जमा हो। मालिकाना हक राज्य को हस्तांतरित नहीं होता।

सेना प्रमुख ने रेगिस्तानी क्षेत्र में सीमावर्ती इलाकों का किया दौरा, जवानों को दी शाबाशी

लौंगेवाला, एजेंसी। सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने आज ऑपरेशन सिंदूर के दौरान सैनिकों की अनुकरणीय भूमिका के लिए बधाई देने और भारतीय वायु सेना और सीमा सुरक्षा बल के साथ समन्वय में की गई संयुक्त कार्रवाइयों की समीक्षा करने के लिए रेगिस्तानी क्षेत्र में कोणार्क कोर के अग्रिम क्षेत्रों में लौंगेवाला का दौरा किया। भारतीय सेना ने बताया कि जैसलमेर से लेकर कच्छ क्षेत्र तक फैले रेगिस्तान में भारतीय सेना, भारतीय वायु सेना और बीएसएफ की ओर से तेज और समन्वित परिचालन प्रतिक्रिया देखी गई। इन संयुक्त कार्रवाइयों ने न केवल दुश्मन के इरादों को कुंद किया बल्कि पश्चिमी मोर्चे पर परिचालन प्रभुत्व बनाए रखने में एक नया सामान्य स्थापित किया। भारतीय सेना ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के हिस्से के रूप में, भारतीय सेना ने भारतीय वायुसेना और बीएसएफ के साथ घनिष्ठ समन्वय में निगरानी परिसंपत्तियों और वायु रक्षा प्रणालियों की तेजी से तैनाती की। नागरिक प्रशासन के समर्थन के साथ हथियार प्रणालियों और अन्य परिचालन सक्षमताओं की कैलिब्रेटेड स्थिति ने प्रभावी क्षेत्र वर्चस्व और संभावित खतरों को बेअसर करना सुनिश्चित किया। कोणार्क कोर के सैनिकों के साथ अपनी बातचीत के दौरान, सेना प्रमुख ने अंतरराष्ट्रीय सीमा की रक्षा में उनकी वीरता, अटूट प्रतिबद्धता और दृढ़ संकल्प को स्वीकार करते हुए एक उत्साही "शाबाश!" का आह्वान किया।

हाईकोर्ट के सभी सेवानिवृत्त न्यायाधीश समान पेंशन के हकदार : सुप्रीम कोर्ट

नयी दिल्ली, एजेंसी। उच्चतम न्यायालय ने एक महत्वपूर्ण फैसले में कहा कि उच्च न्यायालय के अतिरिक्त न्यायाधीशों सहित सभी सेवानिवृत्त न्यायाधीश समान पेंशन और सेवानिवृत्ति लाभों के हकदार हैं। मुख्य न्यायाधीश बी आर गवई और न्यायमूर्ति एजी मसीह की पीठ ने आज स्पष्ट किया कि पेंशन और सेवानिवृत्ति संबंधी लाभों के हकदार स्थायी या अतिरिक्त न्यायाधीश के रूप में कार्यरत सभी होंगे। पीठ ने कहा कि नियुक्ति के तरीके के आधार पर न्यायाधीशों के बीच सेवानिवृत्ति के बाद के लाभों में अंतर करना संविधान के अनुच्छेद 14 का उल्लंघन है। यह अनुच्छेद समानता के अधिकार की गारंटी देता है। शीर्ष अदालत ने कहा, "सेवानिवृत्ति के बाद टर्मिनल लाभों के लिए न्यायाधीशों के मध्य कोई भी भेदभाव अनुच्छेद 14 का उल्लंघन है। अतिरिक्त न्यायाधीशों के रूप में सेवानिवृत्त होने वाले सभी उच्च न्यायालय न्यायाधीश पूर्ण पेंशन के हकदार हैं।" मुख्य न्यायाधीश की अध्यक्षता वाली पीठ ने स्पष्ट किया कि इस आधार पर कोई अंतर नहीं किया जा सकता है कि कोई न्यायाधीश जिला न्यायपालिका से पदोन्नत हुआ है या बार से पदोन्नत हुआ है। पीठ ने अतिरिक्त न्यायाधीशों के परिवारों को भी समानता का लाभ दिया और कहा कि वे भी स्थायी न्यायाधीशों के परिवारों को दिए जाने वाले समान पारिवारिक पेंशन और सेवानिवृत्ति के बाद के लाभों के हकदार हैं। न्यायालय द्वारा जारी किए गए प्रमुख निर्देशों में शामिल है कि उच्च न्यायालयों के सेवानिवृत्त मुख्य न्यायाधीशों को प्रति वर्ष 15 लाख लाख रुपए की पूर्ण पेंशन मिलेगी। न्यायालय ने कहा कि अतिरिक्त न्यायाधीशों सहित सेवानिवृत्त उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों को पूर्ण पेंशन के रूप में प्रति वर्ष 13.6 लाख रुपए का भुगतान किया जाएगा।

राहुल गांधी ने फिर साधा विदेश मंत्री पर निशाना, पूछा-

भारत ने कितने विमान खोए, देश को सच जानने का हक

नई दिल्ली, एजेंसी। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने सोमवार को विदेश मंत्री एस जयशंकर पर फिर से सवाल उठाए और आरोप लगाया कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय वायुसेना ने कितने विमान खोए, इस पर वे चुप हैं। उन्होंने कहा कि देश को सच्चाई जानने का हक है। राहुल गांधी ने एक्स पर लिखा, विदेश मंत्री जयशंकर की चुप्पी सिर्फ़ बयानबाजी नहीं है, बल्कि यह निंदनीय है। इसलिए मैं फिर से पूछूंगाः हमने कितने भारतीय विमान खो दिए, क्योंकि पाकिस्तान को पता था? यह कोई चूक नहीं थी। यह एक अपराध था। और देश को सच्चाई जानने का हक है। राहुल गांधी ने 17 मई का विदेश मंत्री जयशंकर का एक वीडियो शेयर किया जिसमें उन्होंने कहा कि ऑपरेशन की शुरुआत में हमने पाकिस्तान को संदेश भेजा था कि हम

बुनियादी ढांचे पर हमला कर रहे हैं और हम सेना पर हमला नहीं कर रहे हैं, इसलिए सेना के पास इस प्रक्रिया में हस्तक्षेप न करने का विकल्प है। उन्होंने अच्छी सलाह नहीं मानने का विकल्प चुना। वहीं, कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा ने कहा कि युद्ध सिर्फ सीमाओं पर ही नहीं लड़े जाते, बल्कि राजनीति के रणनीतिकारों द्वारा भी लड़े जाते हैं। खेड़ा ने कहा कि सेनाएं बहादुरी से सीमाओं पर अपना काम करती हैं, तो युद्ध में बहुत अहम् भूमिका उन रणनीतिकारों की भी होती है जो राजधानी में बैठे होते हैं। इन तमाम लोगों की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण होती है। जो सेना के पराक्रम को या तो बूस्ट कर सकती है या सेना के पराक्रम को नुकसान पहुंचा सकती है। उन्होंने कहा कि हमारे नेता राहुल गांधी जी ने विदेश मंत्री के बयान पर कुछ सवाल पूछे हैं। यह बहुत महत्वपूर्ण इसलिए हो जाता है, क्योंकि पिछले एक हफ्ते में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अलग–अलग देशों में एक बात दोहराते रहे कि उन्होंने युद्ध रुकवाने में मध्यस्थता की। उन्होंने आगे दावा किया कि विदेश मंत्री एस जयशंकर जी ने खुद मीडिया एजेंसियों को बताया कि हमने हमला करने से पहले पाकिस्तान को सूचित कर दिया था। खेड़ा ने सवाल किया कि अब ये सूचित करने का क्या मतलब होता है? विदेश मंत्री जी को पाकिस्तान पर इतना भरोसा है कि उनके कहने पर आतंकी चुपचाप बैठेंगे? विदेश मंत्री जी का क्या रिश्ता है और उन्होंने हमले से पहले पाकिस्तान को क्यों बताया? दरअसल, इसे कूटनीति नहीं बल्कि मुखबिरी कहा जाता है। विदेश मंत्री ने जो बोला उसे सबने सुना– फिर भी इसपर लीपापोती की जा रही है। क्या इसी मुखबिरी की वजह से मसूद अज़हर ज़िंदा बच गया और हाफिज सईद ज़िंदा भाग गया?

विदेश मंत्री के बयान पर जवाब दें मोदी : कांग्रेस

नयी दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस ने ऑपरेशन सिन्दूर से संबंधित जानकारी के बारे में विदेश मंत्री एस जयशंकर के बयान को 'कूटनीतिक विफलता' बताते हुए कहा है कि ऐसा कर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार ने दूसरी बार आतंकवादी हाफिज सईद को बचाया है इसलिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को इस पर जवाब देना चाहिए। श्री खेड़ा ने सोमवार को यहां पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि युद्ध सिर्फ सीमाओं पर ही नहीं लड़े जाते, बल्कि राजनीतिक रणनीति से भी लड़े जाते हैं। सेना बहादुरी से सीमा पर अपना काम करती हैं तो युद्ध में उन रणनीतिकारों की बहुत अहम् भूमिका हो जाती है जो राजधानी में बैठे होते हैं। इन तमाम लोगों की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण होती है और यह रणनीति सेनाओं के पराक्रम को या तो बढ़ा सकती है या नुकसान पहुंचा सकती है। उन्होंने कहा, "श्री जयशंकर ने खुद मीडिया को बताया है कि हमला करने से पहले पाकिस्तान

को सूचित कर दिया गया था। अब ये सूचित करने का क्या मतलब होता है। क्या विदेश मंत्री को भरोसा है कि पाकिस्तान के कहने पर आतंकवादी चुपचाप बैठेंगे। सवाल है कि विदेश मंत्री ने पहले पाकिस्तान को क्यों बताया।" उन्होंने कहा, "पहलगाम हमले का न्याय नहीं मिल पाएगा क्योंकि देश का नेतृत्व चीन और अमेरिका से डरता है। इस युद्ध में चीन और अमेरिका की भूमिका सबको मालूम है। अमेरिका खुद युद्ध रोकने में अपनी भूमिका बढ़–चढ़कर बता रहा है, लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और विदेश मंत्री एस जयशंकर का मुंह नहीं खुलता। ऐसे कौन से राज हैं कि कभी अमेरिका और चीन के आगे इनके मुंह नहीं खुलते। जब भी मुंह खुलता है तो इससे देश को सीधा नुकसान पहुंचता है।" कांग्रेस नेता ने इसे सरकार की विफलता बताया और कहा "दरअसल, इसे कूटनीति नहीं बल्कि मुखबिरी कहा जाता है। विदेश मंत्री ने जो बोला उसे सबने सुना– फिर भी इस पर लीपापोती की जा रही है। क्या इसी मुखबिरी की वजह से मसूद अज़हर ज़िंदा बच गया और हाफिज सईद ज़िंदा भाग गया।

महाराष्ट्र में सड़क दुर्घटना में पांच की मौत

रत्नागिरि, एजेंसी। महाराष्ट्र के रत्नागिरी जिले में सोमवार को एक कार के जगबुड़ी नदी में गिरने से पांच लोगों की मौत हो गई।

पुलिस ने यह जानकारी दी। रत्नागिरी पुलिस ने बताया कि यह हादसा तब हुआ, जब कार सवार मुंबई से देवरुख अंतिम संस्कार में शामिल होने जा रहे थे। तभी उनकी कार अनियंत्रित होकर जगबुड़ी नदी में गिर गई। इसमें पांच लोगों की मौत हो गई जबकि चालक गंभीर रूप से घायल हो गया है।

मृतकों की पहचान मेधा परमेश पराडकर, सौरभ परमेश पराडकर, मिताली विवेक मोरे, निहार विवेक मोरे और श्रेयस राजेंद्र सावंत के रूप में हुई है। जो मुंबई के निवासी थे।

सिंधु जल संधि के निलंबन पर शिवराज ने की बड़ी बैठक, बोले- खून और पानी एक साथ नहीं बह सकते

नई दिल्ली, एजेंसी। सिंधु जल संधि पर रोक के मुद्दे पर किसान संगठनों के साथ केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने एक महत्वपूर्ण बैठक की। बैठक के बाद शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि पिछले कुछ दिनों में हुई घटनाओं ने हम सभी को हिलाकर रख दिया है। निर्दोष लोगों से उनका धर्म पूछा गया और उन्हें मार दिया गया। पूरा देश परेशान था और हर दिल में गुस्सा था। हम किसी को छेड़ते नहीं हैं। लेकिन ये भारत है, अगर कोई हमें छेड़ता है तो उसे हम छोड़ते भी नहीं हैं। शिवराज सिंह चौहान ने आगे कहा

कि प्रधानमंत्री ने सशस्त्र बलों को खुली छूट दे दी। सशस्त्र बलों ने तय किया कि यह भारत है, हम सबको नहीं मारेंगे। आपने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को कहते सुना होगा, शजिन्हें मोहि मारा ते मैं मारेश। इसलिए, आतंकवादियों और उनके शिविरों को निशाना बनाया गया। सभी आतंकी ठिकानों को नष्ट कर दिया गया। हमने पाकिस्तान पर सीधा हमला नहीं किया, हमारी लड़ाई आतंकवादियों के खिलाफ थी लेकिन पाकिस्तान ने इसे स्वीकार नहीं किया। इसकी शुरुआत पाकिस्तान ने की थी।

कुलदीप नैयर अवार्ड से नवाजे गए पत्रकार रोहिताश कुमार वर्मा

– प्रयागराज साहित्य सम्मान समारोह में किया गया सम्मानित

मोरना। साहित्यिक संस्था गुफ़्तगू के द्वारा प्रयागराज में आयोजित साहित्य सम्मान समारोह में जिले के वरिष्ठ पत्रकार रोहिताश कुमार वर्मा को कुलदीप नैयर अवार्ड से नवाजा गया। मुख्य अतिथि मुंबई से आये प्रसिद्ध फ़िल्म अभिनेता एवं रंगकर्मी राजेन्द्र गुफ्ता ने उन्हें सम्मान प्रदान किया। प्रयागराज के

मुट्ठीगंज में रविवार को साहित्यिक संस्था गुफ़्तगू के द्वारा साहित्य सम्मान समारोह 2025 का आयोजन किया गया, जिसमे देश भर में खेल,चिकित्सा, कला,साहित्य, समाजसेवा और पत्रकारिता के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाली प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया। जिसमें मुजफ्फरनगर जिले में 25 वर्षो से ग्रामीण पत्रकारिता में उत्कृष्ट कार्य कर रहे वरिष्ठ पत्रकार रोहिताश कुमार वर्मा को कुलदीप नैयर अवार्ड से नवाजा गया। समारोह की अध्यक्षता कर रहे। इलाहाबाद हाईकोर्ट न्यायमूर्ति क्षितिज शैलेंद्र, मुख्य अतिथि मुंबई से आए प्रसिद्ध फ़िल्म अभिनेता एवं रंगकर्मी राजेन्द्र गुफ्ता व विशिष्ट अतिथि न्यायमूर्ति व पूर्व अध्यक्ष–राज्य उपभोक्ता विवाद प्रतितोश आयोग अशोक कुमार ने उन्हें यह सम्मान प्रदान किया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि पूर्व एडी. एडवोकेट जनरल कमरुल हसन सिद्दीकी, शिक्षाविद् और समाजसेवी पंकज जायसवाल, चीफ वॉर्डेन–सिविल डिफेंस अनिल कुमार उर्फ अन्नू भइया, वरिष्ठ पत्रकार मुनेश्वर मिश्र, गुफ्तगू के संस्थापक डॉ. इम्तियाज़ अहमद ग़ाजी आदि मौजूद रहे। इससे पहले भी श्री वर्मा को दिल्ली में भारतीय प्रेस परिषद व मीडिया फेडरेशन ऑफ इंडिया द्वारा ग्रामीण पत्रकारिता व राजस्थान में अम्बेडकर कीर्ति राष्ट्रीय पुरस्कार से नवाजा जा चुका है।

भोपाल शहर समता विचार भोपाल इकाई की काव्यगोष्ठी सम्पन्न

भोपाल। शहर समता विचार मंच भोपाल इकाई की महिला काव्यगोष्ठी सुनीता शर्मा सिद्धि की अध्यक्षता में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई ।इस काव्यगोष्ठी की मुख्य अतिथि आशा जाकड़ विशिष्टअतिथि उमा मिश्रा प्रीति स्वागत उद्बोधन आशा सक्सैना काव्यगोष्ठी का शुभारंभ अतिथि द्वारा दीप प्रज्वलन और सरस्वती की मूर्ति में माल्यार्पण अतिथि द्वारा किया गया। सरस्वती वंदना की सुंदर प्रस्तुति सुषमा पटेल द्वारा की गयी। काव्य गोष्ठी का कुशल संचालन साधना शुक्ला ने किया। काव्य गोष्ठी में सभी बहनों ने अपनी सुंदर रचनाओं की प्रस्तुति द्वारा आयोजन में चार चांद लगा दियें। आशा श्रीवास्तव, सुधा दुबे , साधना श्रीवास्तव,सुषमा पटेल , सुषमा श्रीवास्तव सरोज लता सोनी, अनुराधा यादव, चित्रा घोटे,वंदना पाठक ,सीमातिवारी, बालारानी वर्मा ,अर्चना शर्मा मंजू गुप्ता,विमला विश्वकर्मा, रानी सिंगोरिया, अंतमें धन्यवाद ज्ञापन. नीलिमा तिवारी द्वारा किया गया।

ईश्वर शरण में राष्ट्र प्रथम कार्यक्रम का आयोजन

प्रयागराजस राष्ट्रीय सेवा योजना ईश्वर सन डिग्री कॉलेज द्वारा राष्ट्र प्रथम अभियान के अंतर्गत ऑपरेशन सिंदूर में भारतीय सेवा के पराक्रम तथा त्याग के प्रति सम्मान तथा समर्थन व्यक्त करने हेतु 'हमारा दायित्व हमारा वतनरूराष्ट्र प्रथम' विषय पर एक संक्षिप्त संगोष्ठी तथा शोभायात्रा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के संयोजक महाविद्यालय एनएसएस प्रभारी डॉ अरविंद कुमार मिश्रा ने विषय प्रवर्तन करते हुए कहा की राष्ट्र प्रथम के भाव से हमेशा हमें रहना चाहिए राष्ट्र प्रथम यह बिल्कुल उचित है सही है और हमें इसी परिपेक्ष में खुद को देखना होगा और समकालीन समाज में जो राष्ट्रीय चुनौतियां हैं उसके प्रति हमारे सक्षम नेतृत्व पर विश्वास करते हुए हमें अपने राष्ट्र के उत्थान हेतु सतत कंधे से कंधा मिलाकर चलना चाहिए और हमारे वीर जवानों और और नेतृत्व का उत्साहवर्धन करते हुए राष्ट्र प्रथम की भावना का निरंतर सम्मान करना चाहिए। कार्यक्रम के अध्यक्षता करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर आनंद शंकर सिंह ने कहा कि हमें इस बात का गर्व है कि हम भारत के लोग हैंहमारी सभ्यता विश्व की प्राचीनतम सभ्यताओं में से एक है, हमारी संस्कृति ने विश्व को अद्भुत ग्रंथ दिए हैं। ऋग्वेद जैसा ग्रंथ हो, गीता हो, रामायण हो, यह सब हमारे देश के द्वारा विश्व

को दिया गया है हमारी जो अस्मिता है वह अस्मिता राष्ट्र के साथ संबद्ध होकर ही हो सकती है और उसको अक्षुण्ण रखने में ऑपरेशन सिंदूर भारतीय भारतीय सेवा के शौर्य पराक्रम का एक बहुत बड़ा उदाहरण है। महाविद्यालय के मुख्य अनुशासनाधिकारी प्रोफेसर मानसिंह ने समकालीन समाज में जो राष्ट्रीय चुनौतियां हैं उनकी प्रमुख रूप से चर्चा करते हुए ऑपरेशन सिंदूर का विस्तृत वर्णन किया और छात्रों को राष्ट्रीय एकता और राष्ट्र प्रथम के भाव से रहने हेतु आवाहन किया। साथ ही वीर सपूतों के बलिदान पर सभागार में दो मिनट का मौन रखकर उनको श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इसके पश्चात सभी लोगों के द्वारा हाथ में तिरंगा लेकर भारत माता की जय बोलते हुए महाविद्यालय शोभायात्रा निकाली गई। इस अवसर पर महाविद्यालय के संकाय सदस्यों प्रोफेसर धीरज चौधरी डॉक्टर अखिलेश त्रिपाठी डॉ वेद प्रकाश मिश्र, डॉ शाइस्ता इरशाद एवं एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ कृष्णा सिंह, डॉ रुचि गुप्ता,डॉ आलोक कुमार मिश्र,डॉ गायत्री सिंह, डॉ रेफ़ाक अहमद तथा महाविद्यालय के छात्र एवं छात्राएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम में उपस्थित जनों का धन्यवाद ज्ञापन एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉक्टर शैलेश कुमार यादव ने किया।

अंतिम संस्कार में परेशानियां बेशुमार, मुक्तिधाम को सुविधाओं की दरकार

- घाट तक जाने के लिए रास्ता नहीं है, कच्चे मार्ग पर चकर्ड प्लेट नहीं बिछाई गई है, वाहन बालू में फंस जाते हैं।
- दूरदराज से आए लोगों के लिए पीने के पानी का कोई इंतजाम नहीं है, हैंडपम्प भी खराब हो चुका है।
- शेड न होने के कारण लोगों को शास्त्री पुल के नीचे या चायपान की दुकान पर बैठना पड़ता है।
- घाट पर नाव न होने से लोगों को अस्थि विसर्जन में दिक्कत होती है।
- लकड़ी व अन्य सामग्री का मूल्य निर्धारित न होने से लोग परेशान रहते हैं।
- घाट तक जाने वाले कच्चे मार्ग को समतल कराकर उस पर चकर्ड प्लेटें बिछाई जाएं।
- पेयजल के लिए दो हैंडपम्प लगे और पचास मीटर की दूरी पर पम्प से जोड़कर नल लगे।
- बेंच की व्यवस्था की जाए ताकि लोग बैठ सकें, छांव के लिए शेड लगाया जाए।

प्रयागराज। दारागंज श्मशान घाट त्रिवेणी के करीब होने की वजह से इसकी विशेष मान्यता है। यही कारण है कि न सिर्फ शहर बल्कि जिले के ग्रामीण इलाकों के साथ ही प्रतापगढ़, जौनपुर, कौशाम्बी से लेकर रीवा तक से लोग अंत्येष्टि के लिए यहां आते रहते हैं लेकिन दूरदराज से पार्थिव शरीर लेकर आने वालों को यहां सुविधाओं के अभाव में काफी तकलीफ उठानी पड़ती है जिससे उनकी परेशानी और बढ़ जाती है। गर्मी के दिनों में मुख्य मार्ग से नदी का पाट करीब छह सौ मीटर से अधिक दूर हो जाता है। घाट तक पहुंचने के लिए लोगों को बालू भरे कच्चे रास्ते से होकर जाना पड़ता है पड़ता है।

चकर्ड प्लेट हटा दिए जाने कारण अंत्येष्टि में आए लोगों की गाड़ियां और शव वाहन, एम्बुलेंस आदि बालू में फंस जाते हैं। यहां आने वालों के लिए पीने के पानी की भी व्यवस्था नहीं है। शेड न होने के कारण लोग शास्त्री पुल के नीचे अथवा चाय–पान की ओट में किसी तरह समय काटते हैं। इस मुक्तिधाम पर आने वालों से यहां की दिक्कतों के बारे में पूछा तो लोगों ने क्रमवार समस्या गिनाने के साथ यहां भी रसूलाबाद की तरह पक्का घाट और सुविधाएं मुहैया कराए जाने की जरूरत बताई। दारागंज श्मशान पर अंतिम संस्कार के लिए आने वालों को तमाम परेशानियों से गुजरना पड़ता है। गर्मी में गंगा के सिमटने के चलते वह मुख्य मार्ग से काफी दूर हो गई हैं। ऐसे में उन तक पहुंचने के लिए बालू भरे मार्ग पर आधा किलोमीटर से अधिक दूरी तय करना पहाड़ चढ़ने से कम नहीं है। चकर्ड प्लेट न होने के कारण आए दिन वाहन बालू में फंस जाते हैं। हर दूसरे दिन शव वाहन एवं एम्बुलेंस बालू में फंसे दिखते हैं। स्थानीय लोगों ने बताया कि कुम्भ मेला के दौरान बिछाई गई चकर्ड प्लेटें मेला के बाद हटा दी गईं। लोगों ने ऐतराज किया तो बताया गया कि यह चकर्ड प्लेटें मेला की हैं, श्मशान घाट के लिए चकर्ड प्लेटें नगर निगम की ओर से लगाई जाएंगी। दो माह बीत गए लेकिन नगर निगम ने चकर्ड प्लेट नहीं लगाई जिसका खामियाजा शव लेकर आने वालों को भुगतना पड़ रहा है। स्थिति की गंभीरता का इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि घाट पर रिक्शा या ट्रॉली लकड़ी लेकर नहीं पहुंच पाते, ट्रॉली बालू में फंस जाती है। विक्रेता घोड़ा गाड़ी से लकड़ी पहुंचाते हैं। लोगों ने नगर निगम के जोनल अधिकारी, तत्कालीन जिलाधिकारी कुम्भ मेला , नगर आयुक्त एवं महापौर को समस्या से अवगत कराया लेकिन चकर्ड प्लेटें नहीं बिछ

पाई। इसके साथ ही पेयजल की कोई व्यवस्था न होने के चलते यहां आने वाले या तो पानी अपने साथ लेकर आएं या फिर दुकान से खरीद कर पीएं। अरसे पहले यहां एक हैंडपम्प लगा था जिसके अब अवशेष ही बचे हैं। भीषण गर्मी में लोग पानी की तलाश में परेशान होते हैं। नहीं बन सका शेड, शास्त्री पुल ही सहारा इस श्मशान घाट पर लोगों के बैठने के लिए न तो बेंच है न ही शेड लगाए गए हैं। शेड न होने के कारण लोगों को धूप से बचने के लिए शास्त्री पुल का सहारा लेना पड़ता है। कुछ लोग शव जलने तक चायपान की दुकान की शरण लेते हैं। कुछ दिन पूर्व यहां शेड बनना शुरू हुआ तो लोगों को उम्मीद थी कि इसके बाद लोगों को छांव की तलाश में इधर उधर नहीं भटकना पड़ेगा, लेकिन ढांचा खड़ा रह गया और शेड नहीं लग पाया। स्थानीय लोगों का कहना है कि जिस स्थान पर शेड डाला जा रहा था उसे सेना ने अपनी भूमि बता कर निर्माण रोक दिया जिससे शेड का निर्माण अधर में रह गया। बालू में फंस चुकी है महापौर की गाड़ी करीब सप्ताह पूर्व यहां अंतिम संस्कार में शामिल होने आए महापौर की गाड़ी भी कच्चे मार्ग पर बालू में फंस चुकी है। स्थानीय लोगों ने बताया कि महापौर की गाड़ी फंसने पर लोगों ने किसी तरह पहिये के नीचे से बालू निकाली तब कहीं जाकर उनकी कार आगे बढ़ पाई। लोगों का कहना है कि महापौर की गाड़ी फंसने के बाद भी चकर्ड प्लेट न बिछना तमाम सवाल खड़े कर रहा है। निगम चाहे तो चकर्ड प्लेटें बिछाकर समस्या का समाधान कर सकता है लेकिन ऐसा क्यों नहीं हो सका यह सवाल अनुत्तरित है। घाट पर नहीं रहती नाव श्मशान घाट पर नाव की व्यवस्था होने से परेशानी होती हैं। दाह संस्कार के बाद दिवंगत की अस्थियों को गंगा में प्रवाहित करने के लिए परिजनों को गंगा में उतराना पड़ता है जिसमें हमेशा खतरा बना रहता है। कुछ लोग तो मजबूरी में दूर से अस्थियां विसर्जित कर चले जाते हैं। लोगों का कहना है कि अगर घाट पर नाव की व्यवस्था हो तो यह परेशानी न उठानी पड़े गुजरना पड़े। घाट पर नाव रहे और उसका शुल्क निर्धारित हो तो काफी सहूलियत होगी। प्रशासन के नियंत्रण में हो सभी मूल्य अंतिम संस्कार के लिए श्मशान घाट पर आने वालों को लकड़ी और अंतिम संस्कार में प्रयुक्त अन्य सामानों के मूल्य की जानकारी नहीं रहती। उन्हें यह भी पाता नहीं रहता कि कहां, कितना खर्च होना है, इसका फायदा भी कुछ लोग उठाते हैं। लोगों का कहना है कि यदि मूल्य निर्धारित कर दिए जाए और उन पर प्रशासन का नियंत्रण हो लोग मनमाना दाम देने से बच सकेंगे और उन्हें काफी राहत मिल सकेगी। मजबूरी में विद्युत शवदाह गृह का करते हैं रुख एक तरफ जहां दारागंज श्मशान घाट पर तमाम समस्याएं हैं वही बांध के ऊपर बने विद्युत शवदाह गृह में बिजली, पानी, लोगों के बैठने के लिए बेंच और शेड आदि की मुकम्मल व्यवस्था है। यहां शवदाह का खर्च भी घाट के खर्च से काफी कम आता है। यहां का खर्च कम होने और घाट पर सुविधाएं न होने के कारण मजबूरी में लोग यहां आते हैं। लोगों ने बताया कि अधिकतर यहां पोस्टमार्टम वाले शव ही आते हैं। ऐसे लोग जो अधिक खर्च वहन नहीं कर पाते वह भी इसी को तरजीह देते हैं।

दारागंज पुराने श्मशान घाटों में से है, यहां की काफी मान्यता है इसलिए लोग दूर–दूर से आते हैं। जरूरी सुविधाएं न होने से लोगों को काफी परेशानी होती है।–बागीश दुबे घाट पर सभी सुविधाएं हों तो लोग विद्युत शवदाह गृह के स्थान पर वहीं जाना चाहेंगे। घाट तक जाने का रास्ता बहुत मुश्किल है, लोग परेशान रहते हैं।–राम सुजावन कुशवाहा लोग परेशानी से बचने के लिए घाट की बजाय विद्युत शवदाह गृह पर आते हैं। अगर घाट पर सुविधा मिले तो लोग वहीं जाना पसंद करेंगे।–अशोक कुमार श्मशान घाट तक पहुंचने का रास्ता बेहद खराब है, पेयजल की भी व्यवस्था नहीं है जबकि शवदाह गृह में बिजली, पानी, शेड सभी सुविधाएं हैं।–विजय कुमार घाट पर आने वालों के लिए जरूरी सुविधाएं होनी चाहिए। लोग दूर–दूर से यहां आते हैं जिन्हें हर तरफ समस्याएं झेलनी पड़ती हैं।–दिनेश कुमार रसूलाबाद की तरह यहां भी पक्का घाट बनाकर जरूरी सुविधाएं प्रदान की जाएं तो दूरदराज से आए लोगों को काफी सहूलियत होगी। –ननकऊ घाट पर आने–जाने में परेशानी होती है, पानी भी नहीं मिलता, बैठने की भी व्यवस्था नहीं है जबकि विद्युत शवदाह गृह में सभी सुविधाएं हैं। –हरिलाल यहां लोग दो–तीन सौ किमी से भी आते हैं जिन्हें काफी परेशानी उठानी पड़ती है। कम से कम रास्ते पर चकर्ड प्लेट ही बिछा दी जाए तो काफी सहूलियत होगी।–वीरेन्द्र यहां की मुख्य समस्या घाट तक जाने वाले मार्ग पर चकर्ड प्लेट का न होना है, लोगों के वाहन बालू में फंस जाते हैं। चकर्ड प्लेट बिछ जाए तो राहत मिले।–मनी देवी लोग दूर–दूर से यहां दुरूख में आते हैं जिनकी तकलीक यहां की समस्याएं और बढ़ा देती हैं। व्यवस्था ऐसी होनी चाहिए कि लोगों को सहूलियत मिल सके।–आदित्य यहां न तो नल लगे हैं न हैंडपम्प की व्यवस्था है। पानी के लिए लोगों को इधर–उधर भटकतना पड़ता है। दुकान से पानी खरीदते हैं तब प्यास बुझाते हैं।–मौजी लाल यहां पीने के पानी का इंतजाम हो जाए और मार्ग पर चकर्ड प्लेटें बिछ जाए तो शव लेकर आने वालों को काफी सहूलियत हो जाएगी। शेड भी बनाना जरूरी है।–गोरेलाल शेड न होने से लोग धूप में इधर–उधर छांव तलाशते रहते हैं। शास्त्री पुल ही धूप से बचने का एकमात्र आसरा है जिसके नीचे लोग बैठे रहते हैं। शेड होता तो यह परेशानी न होती।–राज

असिस्टेंट प्रोफेसर भर्ती में जीएस के कई प्रश्नों पर विवाद

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग की ओर से 16 और 17 अप्रैल को कराई गई असिस्टेंट प्रोफेसर भर्ती परीक्षा में सामान्य अध्ययन (जीएस) के कई प्रश्नों पर आपत्ति उठी है। अभ्यर्थियों ने साक्ष्यों के साथ आयोग को ऑनलाइन आपत्तियां भेजी है। दावा किया कि नागौर जिला जीरा व मेथी दोनों खुशबूदार उपज के उत्पादन के लिए प्रसिद्ध है जबकि आयोग ने मेथी को सही माना है। लिहाजा या तो दोनों विकल्प सही माने जाएं या यह प्रश्न मूल्यांकन से बाहर हो। प्रश्न श्इनमें से कौन शिक्षा का एक अनौपचारिक अभिकरण स्रोत नहीं है?श वाला प्रश्न मूल्यांकन से बाहर होना चाहिए क्योंकि दिए गए विकल्पों में से सभी शिक्षा के अनौपचारिक स्रोत हैं। इस प्रश्न में आयोग ने श्धार्मिक संस्थाओंश को सही विकल्प माना है जबकि श्सामान्य खेलश वाला विकल्प कहीं से भी इससे कमजोर नहीं ठहरता। सामान्य खेल अनेक स्कूलों में औपचारिक शिक्षा का एक माध्यम होते हैं। खेल को एक विषय के रूप में भी मान्यता प्राप्त है। अभ्यर्थियों का कहना है कि श्बाबरनामा किस भाषा में लिखी गयी थी?श प्रश्न भी सही नहीं है। वस्तुतः मूल ग्रंथ का नाम तुजुक–ए–बाबरी था जिसे तुर्की भाषा में लिखा गया था। बाद में जब इस ग्रंथ का फ़ारसी (या पारसी) अनुवाद हुआ तब उस फ़ारसी ग्रंथ का नाम बाबरनामा रखा गया। इस प्रकार उक्त प्रश्न का उत्तर पारसी चुनना कहीं से भी अतार्किक नहीं है। यदि प्रश्न यह होता कि बाबरनामा मूलतः किस भाषा में लिखी गयी थी? , तब तुर्की सही उत्तर होता परन्तु प्रश्न में कहीं भी मूलतः शब्द नहीं आया है। अतः इस प्रश्न के दोनों उत्तर – तुर्की व पारसी– सही माने जाने चाहिए। प्रश्न आईसीटी (सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी) प्रणाली के घटक होते हैं के चार विकल्प हार्डवेयर – जैसे कंप्यूटर, मोबाइल, प्रिंटर आदि, सॉफ्टवेयर – जैसे ऑपरेटिंग सिस्टम, एप्लिकेशन प्रोग्राम आदि, इनपुट/आउटपुट डिवाइसेज – जैसे बायोमेट्रिक सेंसर (जैसे फिंगरप्रिंट स्कैनर) और नेटवर्क और कनेक्टिविटी डिवाइसेज दिए थे। छात्रों का तर्क है कि सूचना स्वयं कोई घटक नहीं है, बल्कि आईसीटी प्रणाली का इनपुट या आउटपुट होती है। इसीलिए यह आईसीटी प्रणाली का घटक नहीं है। अतः इस प्रश्न में सूचना सही उत्तर है। आयोग ने बॉयोमेट्रिक सेंसर को सही उत्तर माना है जबकि इसे हार्डवेयर से पृथक नहीं समझा जा सकता, वस्तुतः यह भी एक प्रकार का हार्डवेयर ही है। आयोग ने शिक्षा मंत्रालय की ओर से 2015 में एनआईआरएफ रैंकिंग प्रणाली को शुरू होना सही माना है। जबकि 2015 में मंत्रालय का नाम शिक्षा मंत्रालय न होकर मानव संसाधन विकास मंत्रालय था। इसका अलावा लिंबिक सिस्टम वाले प्रश्न को भी डिलीट करने की मांग की है। क्योंकि यह सामान्य विज्ञान का प्रश्न है और सामान्य अध्ययन के पाठ्यक्रम में ये हिस्सा नहीं है। इसलिए यह प्रश्न पाठ्यक्रम से बाहर का है।

दोषी के खिलाफ कार्रवाई की मांग

मुजफ्फरनगर– समुस्लिम अध्यापिका द्वारा हिंदू छात्र की चोटी काटने की घटना पर आज संयुक्त हिंदू मोर्चा के प्रतिनिधियों ने बेसिक शिक्षा अधिकारी का घेराव कर दोषी शिक्षिका के खिलाफ कार्यवाही की मांग की। काजीखेड़ा गांव के एक सरकारी स्कूल में जेहादी मानसिकता की सरकारी शिक्षिका द्वारा एक हिंदू छात्र की चोटी काटने की घटना प्रकाश में आने पर आज संयुक्त हिंदू मोर्चा के तत्वाधान में शिवसेना व अनेक हिंदू संगठनों के प्रतिनिधि बेसिक शिक्षा अधिकारी संदीप सिंह के कार्यालय पर पहुंचे और नारेबाजी करते हुए उनका घेराव किया। हिंदू नेताओं ने रोष व्यक्त करते हुए कहा कि इतनी गंभीर घटना होने के बाद भी अधिकारी केवल जांच करने की औपचारिकता पूरी कर रहे हैं। संयुक्त हिंदू मोर्चा अध्यक्ष मनोज सैनी ने कहा कि हिंदू धर्म के धार्मिक चिन्ह चोटी काटने की घटना बहुत गंभीर है, शिक्षा के मंदिर में ऐसे दुसहास को बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि पिछले वर्ष खुब्बापुर गांव में एक निजी स्कूल में एक मुस्लिम छात्र को दूसरे छात्र से थप्पड़ लगवाने

मात्र पर उस अध्यापिका के स्कूल पर गंभीर कार्यवाही की गई थी परंतु सरकारी स्कूल में छात्र की चोटी काटने की घटना होने पर भी अधिकारी इस पर लीपा पोती करने का प्रयास कर रहे हैं, जिसे किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा, अगर जल्दी ही दोषी शिक्षकों पर कार्य नहीं हुई तो बड़ा आंदोलन किया जाएगा। इस अवसर पर मुख्य रूप से डॉक्टर योगेंद्र शर्मा शिवसेना, राधेश्याम विश्वकर्मा विश्व हिंदू परिषद, हरिओम त्यागी अध्यक्ष त्यागी महासभा, पंकज भारद्वाज हिंदू जागरण मंच, बिट्टू सिखेड़ा जिलाध्यक्ष शिवसेना, अनिल लुहारी स्वदेशी जागरण मंच, मुकेश आर्य प्रधान आर्य समाज, पंडित अखिलेश शर्मा सर्व ब्राह्मण महासभा, अमरीश त्यागी, राजेश कश्यप, सचिन जोगी सनातनी हनुमान सेना, मोनू खटीक आदि शामिल थे।

भू–माफिया से अपना मकान वापस पाने हेतु धरने पर बैठा परिवार

रायबरेली। बारह वर्षों से भूमाफिया के कब्जे से अपना आशियाना वापस पाने की आस में दर दर भटकने के बाद एक परिवार जिलाधिकारी कार्यालय के समक्ष धरने पर बैठ गया। प्राप्त जानकारी अनुसार भूमाफिया द्वारा मकान पर अवैध रूप से कब्ज़ा किए जाने के बाद पीड़ित परिवार बीते बारह वर्षों से अधिकारियों की चौखट पर चक्कर लगा रहा है किन्तु अब तक न्याय न मिलने से हताश हो चुका परिवार अंततः जिलाधिकारी कार्यालय के समक्ष धरने पर बैठने को विवश हो गया। भूस्वामिनी रामेश्वरी यादव पत्नी राम सुमिरन यादव निवासी रतापुर, तहसील सदर जिला रायबरेली ने ग्राम छेदी का पुरवा थाना मिल एरिया, तहसील सदर निवासी अरूण प्रताप उर्फ पप्पू यादव पर आरोप लगाते हुए बताया कि अरुण प्रताप समाजवादी पार्टी के जिला सचिव व हिस्ट्रीशीटर अपराधी है। अरूण प्रताप उर्फ पप्पू यादव ने दबंगई से एकता विहार कालोनी रतापुर स्थित मेरे मकान पर जबरन कब्जा कर लिया है। विरोध करने पर जान माल की

धमकी देते हुए कह रहे हैं कि तुम्हे व तुम्हारे परिवार वालो को किसी मुकदमें में जेल भेजवा दूंगा तुम मेरा कुछ नहीं कर पाओगे। पीड़िता ने बताया कि विपक्षी पहले भी मेरे पति व बेटे को फर्जी मुकदमे मे फंसाकर जेल भेजवा चुके है। गाटा संख्या 108 रकबा 2 बिसवा का मैंने बैनामा करवाया था हरिजन होने के कारण दाखिल खारिज नही हुई जिससे मैंने लिया उसकी मृत्यु हो गई उसके लड़के के नाम प क 11 चढ़वा कर भू माफिया अपनी पत्नी के साथ सवा बिसवा का बैनामा कराया उसका भी कब्जा किया। शेष पौन बिसवा बचा था उसको भी दबंगई से कब्जा कर लिया। उसके बगल मे एक और मकान था उसको भी कब्जा कर लिया और गाटा सं0 113 नजूल व मेरे बनवाए हुए मंदिर तथा उसकी जमीन पर बाउन्ड्री करा लिया। पीड़ित परिवार ने बताया कि उक्त मामले में वर्ष 2018 में तत्कालीन लेखपाल द्वारा अरूण प्रताप के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कराई गई थी उसके बाद भी अब तक उक्त भूमि को खाली नही कराया जा सका और न ही हमारा मकान हमें वापस मिल सका जिसके चलते हम दर दर भटकने को विवश हो गए हैं। पीड़ित परिवार ने जिलाधिकारी को पुनः प्रार्थना पत्र देकर मंदिर की बाउन्ड्री गिरा कर जमीन सार्वजनिक किए जाने और अपना मकान व जमीन वापस दिलवाने की मांग की। उन्होंने कहा कि जब तक हमें न्याय नहीं मिलेगा तब तक हम धरने पर बैठे रहेगें।

राजधर्म और समाज सेवा के प्रति समर्पित रहीं अहिल्याबाई: मनीष

करछना। अहिल्याबाई होल्कर आजीवन राज धर्म के साथ समाज सेवा के प्रति समर्पित रहीं। अपने धर्मनिष्ठ व्यक्तित्व के साथ कम उम्र में ही प्रजा के बीच मानव सेवा व्रत का संकल्प लेकर उन्होंने मानव धर्म, राजधर्मऔर राष्ट्रधर्म के प्रति स्वयं को समर्पित कर दिया।

अपने कृतित्व से लोकप्रिय ऐसे महान व्यक्तित्व से हमें जीवन में शिक्षा ग्रहण करने की जरूरत है। यह बातें प्रधानाचार्य मनीष तिवारी ने बच्चों के बीच कही। इसके उपरांत जिला विद्यालय निरीक्षक के आदेश के क्रम में ग्रुप वाइज रंगोली प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। शिक्षिका मालती शर्मा और प्रवक्ता मोहम्मद परवेज सिद्दीकी की देखरेख में संपन्न हुई प्रतियोगिता में ग्रुप ए की सानिया,सिदरा बेगम, गुंजन,शिखा और श्रद्धा प्रथम स्थान पर रहीं। ग्रुप बी के एरमअंसारी, रीवा फात्माअल्फिया सिद्दीकी और हुमैरा हन्फी को दूसरा स्थान प्राप्त हुआ। प्रवक्ता जितेंद्र कुमार,जगतपाल एवं शिक्षक सुरेश कुमार निर्णायक मण्डल में शामिल रहे।इस मौके पर प्रवक्ता प्रदीप कुमार,विजय सिंह,रमेश चन्द्र तिवारी, हरिशंकर त्रिपाठी, सुधा सिंह सहित विद्यालय के शिक्षक ,शिक्षिकाएं एवं बच्चे मौजूद रहे।

विद्यार्थियों में रुचि और अभिरुचि के अनुसार कौशल का विकास करने का माध्यम है समर कैंप: डॉ. अखिलेश यादव

मथुरा। राजकीय इंटर कॉलेज दघेंटा बलदेव में आयोजित शिक्षक अभिभावक बैठक में प्रधानाचार्य डॉ अखिलेश यादव ने अनुरोध किया कि सभी विद्यार्थियों को समर कैंप में प्रतिभाग हेतु अनुमति प्रदान करें जिससे कि विद्यार्थियों में उनकी अभिरुचि अनुसार विभिन्न आवश्यक गतिविधियों को कराया जा सके। डॉ अखिलेश यादव ने बताया की समर कैंप के आयोजन का उद्देश्य है कि विद्यार्थियों में रचनात्मक सोच विकसित करना।विद्यार्थियों में टीम वर्क, आत्मविश्वास तथा जीवन कौशल का विकास करना,ग्रीष्म अवकाश में खेलकूद कला विज्ञान और सांस्कृतिक गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों का समग्र विकास करना।इस कार्यक्रम का अनुश्रवण एवं पर्यवेक्षण जिलाधिकारी की अध्यक्षता में गठित जिला स्तरीय गठित कमेटी करेगी। विभिन्न गतिविधियों के अंतर्गत खेलकूद, व्यायाम ,रंगोली, मिट्टी कला, कैरियर गाइडेंस, रेड क्रॉस, स्काउट, प्राथमिक चिकित्सा, टाइपिंग, वीडियो टूल्स ,कार्टून ,सिलाई, कढ़ाई वृक्षारोपण ,विभिन्न प्रकार की पेंटिंग ,कुकिंग, डांस, हस्तकला, वाद– विवाद प्रतियोगिताएं नृत्य, गायन, अभिनय , रिपोर्ट लेखन, आर्टिकल लिखना इत्यादि का आयोजन किया जाएगा तथा 10 जून को एक वृहद प्रदर्शनी विद्यालय परिसर में लगाई जाएगी जिसमें अभिभावकों से अधिक से अधिक संख्या में प्रतिभाग करने की अपेक्षा की गई। इस अवसर पर अवधेश कुमार,बृजेश अग्निहोत्री, भवानी शंकर जांगिड़, जनार्दन राजभर सहित समस्त विद्यालय स्टाफ एवं अभिभावक उपस्थित रहे।

उद्योग व्यापार संगठन पदाधिकारियों द्वारा मध्यम व छोटे व्यापारियों के उत्पीड़न विरोध में जाइंट कमिश्नर एसआईबी से की मुलाकात

मुजफ्फरनगर। उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार संगठन रजि के एक प्रतिनिधिमंडल जिसमें प्रदेश उपाध्यक्ष मंडल प्रभारी कृष्ण गोपाल मित्तल,अध्यक्ष संयुक्त व्यापार संघर्ष समिति संजय मिश्रा,प्रदेश मंत्री सरदार बलविंदर सिंह,जिला अध्यक्ष राकेश त्यागी,संयोजक सुखबीर सिंह,जिला युवा अध्यक्ष विजय प्रताप सिंह,जिला युवा महामंत्री भूपेंद्र गोयल द्वारा जॉइंट कमिश्नर एस आई बी सिद्धेश दीक्षित से उनके कार्यालय में मुलाकात की गई। प्रतिनिधिमंडल में शामिल व्यापारी नेताओं द्वारा जॉइंट कमिश्नर एस आई बी से कहा कि जी एस टी विभाग द्वारा मध्यम एवं छोटे व्यापारियों ढाबे वाले,समोसे वाले को निशाना बनाते हुए उत्पीड़न आत्मक कार्यवाही लगातार की जा रही है छोटा व्यवसाय करने वाले ज्यादातर यह दुकानदार ज्यादा पढ़े–लिखे भी नहीं होते हैं इसके सापेक्ष व्यापारियों द्वारा रिकॉर्ड जीएसटी संग्रह विभाग को प्रेषित किया जा रहा है अगर विभाग द्वारा इस तरह छोटे व्यापारियों पर उत्पीड़न की कार्यवाही की जाएगी तो सड़कों पर उतरकर इसका पुरजोर विरोध किया जाएगा। जॉइंट कमिश्नर दीक्षित द्वारा बताया गया कि हम मध्यम या छोटे व्यापारियों पर कदापि भी छापे की कार्यवाही नहीं करना चाहते हैं परंतु जब शिकायत कर्ता ऊपर से शिकायत करता है तो उस पर संज्ञान लेना पड़ता है।

ग्रीष्मकालीन विशेष रेलगाड़ी का संचालन

भारतीय रेल द्वारा अपने सम्मानित रेल यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए निम्नलिखित ग्रीष्मकालीन विशेष रेलगाड़ी के संचालन का निर्णय लिया गया है, जिसका विवरण निम्नवत् है:-

गाड़ी संख्या 06529/06530 सर एम. विश्वेश्वरय्या टर्मिनल बेंगलुरु - गोमती नगर -सर एम. विश्वेश्वरय्या टर्मिनल बेंगलुरु एक्सप्रेस विशेष रेलगाड़ी

06529 सर एम. विश्वेश्वरय्या ट. बेंगलुरु- गोमती नगर			06530 - गोमती नगर - सर एम. विश्वेश्वरय्या ट. बेंगलुरु	
आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	आगमन	प्रस्थान
--	19:00	सर एम. वि. ट. बेंगलुरु	08:15	--
14:40	14:50	वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी	10:05	10:10
16:10	16:12	उरई	08:03	08:05
17:00	17:02	पुखरायाँ	07:20	07:22
18:40	18:45	गोविन्दपुरी	05:55	06:00
21:55	22:00	प्रयागराज जं.	01:15	01:20
11:30	--	गोमती नगर	--	12:20

• सर एम. विश्वेश्वरय्या ट. बेंगलुरु से गाड़ी संख्या 06529, दिनांकः 19.05.2025 एवं 26.05.2025 सोमवार। • गोमती नगर से गाड़ी संख्या 06530, दिनांकः 23.05.2025 एवं 30.05.2025 शुक्रवार।

गाड़ी संरचनाः वातानुकूलित प्रथम श्रेणी- 01, वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी- 02, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी- 04, स्लीपर श्रेणी-07, सामान्य श्रेणी-04

नोटः ट्रेनों की समय-सारणी से सम्बन्धित जानकारी हेतु हेल्पलाइन 139 या Rail Madad Mobile Aap या वेबसाईट www.railmadad.indianrailways.gov.in का प्रयोग करें।

उत्तर मध्य रेलवे

North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @CPRONCR 861/25(MG)

विश्वनाथ चारिआलि राष्ट्रभाषा प्रबोध विद्यालय परिचालना समित का विशेष कार्यकारिणी सभा

'संस्थान में केंद्रीय हिंदी संस्थान, शिक्षा मंत्रालय द्वारा आगामी 8 और 9 जून को भारतीय सभ्यता और सनातन संस्कृति में विश्व बंधुत्व का भाव पर राष्ट्रीय संगोष्ठी

विश्वनाथ, असम। भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय केंद्रीय हिंदी संस्थान ,आगरा के विशेष पहल से राष्ट्रीय संगोष्ठी आगामी 8 और 9 जून को हिंदू साम्राज्य दिवस के अवसर पर विश्वनाथ चारिआलि राष्ट्रभाषा प्रबोध विद्यालय परिचालना समिति के संयुक्त तत्वावधान में होने जा रही है जिसका विषय ष्भारतीय सभ्यता और सनातन संस्कृति में विश्व बंधुत्व का भाव ष है। इस विषय के संदर्भ में रविवार को विश्वनाथ चारिआलि शहर के चौराहे पर स्थित शान्ति निवास में दोपहर 3रू30 बजे में कार्यकारिणी सभा बुलाई गई । समिति के अध्यक्ष प्रभुनाथ सिंह के संरक्षक में आयोजित सभा का अध्यक्षता कार्यकारी अध्यक्ष सूर्य नारायण पाण्डेय ने की।सर्वप्रथम सचिव संतोष कुमार महतो के संचालित सभा में पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले में मारे गए हिंदुओं की स्मरण में 1 मिनट का मन व्रत रखा गया । इसके बाद सभा का कार्यवाही शुरू हुई जिसमें सचिव ने उद्देश्य व्याख्या करते हुए आगामी राष्ट्रीय संगोष्ठी के विशेष विस्तृत जानकारी दी। सचिव ने कहा राष्ट्रीय संगोष्ठी मुख्य उद्देश्य युवाओं और नई पीढ़ी को भारतीय संस्कृति की इन उदात्त भावनाओं से जोड़ना भी है, ताकि वे वैश्विक नागरिक बनते हुए भी अपनी जड़ों से जुड़े रहें और मानवता की सेवा में योगदान दें। इसके बाद उपाध्यक्ष विनोद कुमार गुप्ता ने राष्ट्रीय संगोष्ठी के व्यवस्था पर प्रकाश डालते हुए कहा संगोष्ठी का विषय बहुत ही महत्वपूर्ण है और वर्तमान परिप्रेक्ष्य में विषय बहुत ही प्रयोजन है। इस मौके समिति के सलाहकार चित्र प्रसाद पौड़ेल, जमीर अहमद ,

सह सचिव सुरेन्द्र कुमार सहनी , कोषाध्यक्ष बजरंग रौनियार ,सदस्य गीता वर्मा, आनोवारा खातुन , सुजीत कुमार शर्मा आदि अपना विचार व्यक्त कहा हमारे संस्थान के लिए हर्ष का विषय है कि हमारे संस्थान में बीच–बीच में राष्ट्रीय स्तर का कार्यक्रम होते जा रहा है जिसमें देश भर के विद्वतजनों का उपस्थिति होता है। इस मौके पर समिति के सचिव संतोष कुमार महतो ने तेजपुर विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग के वरिष्ठ प्राचार्य डॉ० अनुशब्द को आभार व्यक्त किया जिसके मार्गदर्शन में यह संगोष्ठी का रूपरेखा तैयार होने जा रहा है। सभाध्यक्ष सूर्य नारायण पाण्डेय ने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा इस विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी हाेना संस्थान के लिए गौरव का विषय है अाैर संगोष्ठी की सफलता की कामना करते हैं। अंत में राष्ट्रगान से सभा भंग हुई ।इस सभा में प्रस्तावित उप –विषय 1. भारतीय समाज और सनातन संस्कृति का वैश्विक वैभव रू दशा और दिशा 2. भारतीय समाज और सनातन संस्कृति का वैश्विक वैभव रू भूत, वर्तमान और भविष्य 3. भारत के विकास में हिंदू एकता का योगदान 4. वसुधैव कुटुम्बकम् रू भारतीय दर्शन में विश्व बंधुत्व की आधारशिला 5. उपनिषदों और वेदों में सार्वभौमिकता का भाव 6. भगवान बुद्ध, महावीर और वीर शिवाजी के विचारों में मानवता और समरसता 7. रामायण–महाभारत में सामाजिक उत्तरदायित्व और बंधुत्व 8. भारतीय धर्मों में सहिष्णुता और सहअस्तित्व की परंपरा 9. भारतीय त्योहारों एवं परंपराओं में एकता और भाईचारे की अभिव्यक्ति 10. वैश्विक शांति और भारत की सांस्कृतिक भूमिका 11. सनातन संस्कृति में प्रकृति, प्राणी और मानव के बीच संबंध 12.आधुनिक भारत में 'विश्व बंधुत्व' की पुनर्स्थापना की आवश्यकता 13. शिक्षा और मीडिया में भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों की भूमिका है। ध्यातव्य यह है कि मूल विषय से संबंधित अन्य विषयों पर भी आलेख/पत्र प्रस्तुत किए जा सकते हैं।

कृपया सभी शोधार्थी, विद्यार्थी और अध्यापक से निवेदन है कि इस संगोष्ठी में जुड़ने व पंजीकरण हेतु सचिव के संपर्क नंबर 9365096508 और सांस्कृतिक सचिव मनीषा पाल के मोबाइल नंबर 97065 54889 से संपर्क करें।गौरतलब है कि शोधार्थियों, विद्यार्थियों और अध्यापकों द्वारा प्रस्तुत किए गए गुणवत्तापूर्ण आलेखों को पुस्तक (पैठछ सहित) के रूप में प्रकाशित करने की भी योजना है। इस राष्ट्रीय संगोष्ठी में उपस्थित होकर अपना सहयोग और सहायता प्रदान करें।

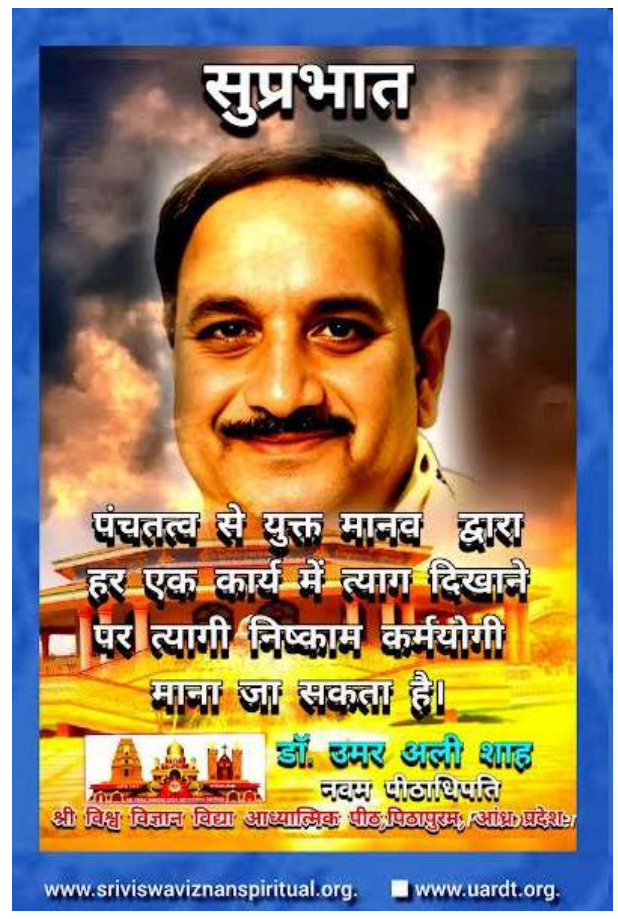

दुपहरी चढ़कर बोले

(कुण्डलिया)

दौलत की गर्मी कहीं, कहीं रूप की बात।
कहीं धूप सिर पर चढ़ी, छीन रही है प्रात।
छीन रही है प्रात, दुपहरी चढ़कर बोले।
राहत का पैगाम, शाम दरवाजे खोले।
सुन लो कहें प्रदीप, समझ चालें मौसम की।
रहो प्रकृति के साथ,न बातें कर दौलत की।।

गर्मी की तीखी तपिश, चुभती–चुभती धूप।
मौसम का तेवर पढ़े, बदले अपना रूप।
बदले अपना रूप, ताप से कर गठबंधन
घबराए हैं देख,धरा के कानन नंदन।
सुन लो कहें प्रदीप,परेशां सारे धर्मी।
काट रहे हैं वक्त, देख मौसम की गर्मी।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

एस.डी. कॉलेज ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज द्वारा बीसीए षष्टम सेमेस्टर के छात्रों को दी गई भावभीनी विदाई

आज एस.डी. कॉलेज ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज, मुजफ्फरनगर सबीसीए षष्टम् सेमेस्टर के विद्यार्थियों के लिए एक भव्य विदाई समारोह का आयोजन किया गया।

इस विशेष अवसर पर बीसीए विभाग के समस्त शिक्षकगण एवं छात्र–छात्राएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम भावनात्मक वातावरण और उत्साहपूर्ण गतिविधियों से भरपूर रहा, जिसमें सीनियर छात्रों को सम्मानपूर्वक विदाई दी गई।

कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन और सरस्वती वंदना से हुई। इसके बाद स्वागत भाषण एवं रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। बीसीए चौथे सेमेस्टर के छात्रों द्वारा नृत्य, गीत, मिमिक्री, कविता, और कॉलेज जीवन पर आधारित नाटक प्रस्तुत किए गए, जिनका सभी उपस्थितों ने भरपूर आनंद लिया।

कॉलेज के प्राचार्य डॉ. संदीप मित्तल ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा, ष्विदाई केवल विदाई नहीं होती, यह उस संघर्ष, मेहनत और सफलता का प्रतीक होती है जो आपने तीन वर्षों के दौरान अर्जित की है। जीवन के हर क्षेत्र में सफलता पाने के लिए आत्मविश्वास, समर्पण और सतत प्रयास आवश्यक हैं। आप सबने जिस अनुशासन और समर्पण के साथ अध्ययन किया है, वह प्रशंसनीय है। मेरी शुभकामनाएं सदैव आपके साथ हैं।ष बीसीए एवं बी.एससी (कंप्यूटर साइंस) विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. संजीव तायल ने कहा, ष्तीन वर्षों का यह शैक्षणिक सफर न केवल ज्ञान का रहा, बल्कि यह आपके

व्यक्तित्व विकास का भी एक अमूल्य अनुभव रहा। आपने जिस तरह तकनीकी शिक्षा में उत्कृष्टता प्राप्त की है, वह प्रेरणादायक है। आने वाले जीवन में आप जहां भी जाएं, वहां एस.डी. कॉलेज का नाम रोशन करें। आपके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं!ष

बीबीए विभागाध्यक्ष प्रो. राजीव पाल सिंह ने अपने विचार साझा करते हुए कहा, श्कॉलेज केवल एक शैक्षणिक स्थान नहीं, बल्कि जीवन के मूल्यों, अनुशासन और नेतृत्व कौशल के निर्माण का केंद्र होता है। मैं गर्व से कह सकता हूँ कि हमारे छात्रों ने इन मूल्यों को आत्मसात किया है। आप सभी को नई उड़ान और नई ऊंचाइयों की शुभकामनाएं देता हूँ। बीबीए विभाग की ओर से हम सभी छात्र–छात्राओं को भविष्य के लिए हार्दिक बधाई देते हैं।ष

एंकरिंग का कार्य कुमकुम और सुयश शर्मा द्वारा प्रभावशाली ढंग से किया गया, जिन्होंने पूरे कार्यक्रम को जीवंत बना दिया। हिमांशु शर्मा और चंदना दीक्षित द्वारा इस समारोह का आयोजन एवं समन्वयन सफलतापूर्वक किया गया। कार्यक्रम में नृत्य, संगीत, फनी अवॉर्ड, तथा मिस्टर एवं मिस फेयरवेल जैसी मनोरंजक गतिविधियाँ आयोजित की गईं, जिनका सभी उपस्थितों ने भरपूर आनंद लिया।

समारोह में उपस्थित सभी शिक्षकगणों ने छात्रों को उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। बीसीए, बी.एससी (कंप्यूटर साइंस) विभाग के समस्त शिक्षकगण वैभव वत्स, अनुज गोयल, देवेश भारद्वाज, निरंकार शर्मा, मोहित गोयल, हर्षिता, हर्षित गोयल, राहुल शर्मा, रोबिन मलिक, श्वेता, प्रशांत गुप्ता, विनीता चौधरी, सतीश, पवन बलियान और लवी इस अवसर पर उपस्थित रहे। सभी ने व्यक्तिगत रूप से छात्रों को आशीर्वाद एवं शुभकामनाएं दीं। बीबीए विभाग से उपस्थित शिक्षकगण डॉ. संगीता गुप्ता, प्रो. मोहम्मद अंजर, श्री अभिषेक एवं प्रो. दीपक गर्ग ने भी छात्रों को विदाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

कार्यक्रम में छात्रों को विभिन्न श्रेणियों में पुरस्कार प्रदान किए गए जैसे बेस्ट स्टूडेंट, मोस्ट क्रिएटिव, मोस्ट डिसिप्लिंड बेस्ट ड्रेस्ड आदि इसके अतिरिक्त विदाई समारोह में स्मृति चिन्ह एवं उपहार भी छात्रों को भेंट किए गए मिस्टर फेयरवेल का खिताब कार्तिक (ठब। 6जीेम. उमेजमत) और मिस फेयरवेल का खिताब प्रेरणा (ठब। 6जी मउमेजमत) को प्रदान किया गया, जिन्हें उनकी बहुआयामी प्रतिभा व्यवहार एवं उपस्थिति के लिए सम्मानित किया गया।

विद्यार्थियों ने भी मंच से अपने विचार साझा किए और कॉलेज में बिताए गए अपने यादगार पलों को भावुकता से याद किया। उन्होंने शिक्षकों के मार्गदर्शन और कॉलेज परिवार के सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के समापन पर सभी के लिए भोज की व्यवस्था की गई, जहां शिक्षकों एवं छात्रों ने एक साथ भोजन किया और कॉलेज के अनमोल पलों को साझा किया। एस.डी. कॉलेज ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज इस अवसर पर सभी विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करता है और आशा करता है कि वे समाज, राष्ट्र एवं तकनीकी क्षेत्र में अपना अमूल्य योगदान देंगे।

चौरा वाला में मेधावियों का किया गया सम्मान

मोरना। गांव चौरावाला में प्रसिद्ध समाजसेवी डॉ. संजीव कुमार उर्फ संजु शर्मा द्वारा यूपी पुलिस में चयनित युवाओं और विभिन्न स्कूल कॉलेजों के मेधावियों छात्र छात्राओं को सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथियों ने युवाओं को फूलमाला पहनाकर, प्रतीक चिन्ह व मैडल देकर सम्मानित किया तथा उनके उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम का शुभाम्भ मुख्य अतिथि भाजपा किसान मोर्चा के क्षेत्रीय मंत्री अमित राठी व प्रसिद्ध कथाव्यास आचार्य कृष्ण शास्त्री ने मां सरस्वती के सम्मुख दीप प्रज्जवलित कर किया। अमित राठी ने कहा कि देश व प्रदेश की भाजपा सरकार युवाओं को सुलभ व समान शिक्षा के अवसर प्रदान कर रही है।रोजगार परक शिक्षा पाकर युवा अपना भविष्य बना रहे हैं। ग्रामीण क्षेत्र की प्रतिभाओ का उत्साहवर्धन करने से अन्य बच्चे भी प्रेरित होंगे।युवा लक्ष्य बनाकर परिश्रम करें सफलता अवश्य मिलेंगी। डॉ. संजू शर्मा ने कहा की ग्रामीण क्षेत्र मे भी आज बच्चे

अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर क्षेत्र का नाम रोशन कर रहे हैं।इस प्रकार के आयोजन आगे भी जारी रहेंगे। प्रधानाचार्य पंकज माहेश्वरी ने कहा की परिवार मे शिक्षा ओर सम्मान का वातावरण बनाकर बच्चो को उच्च संस्कार प्रदान करें।जिससे बच्चों का आचरण उच्च बनेगा। सम्मान समारोह में किसान मजदूर इंटर कॉलेज की हाईस्कूल की छात्रा शालू, मुस्कान व आकाश, इंटरमीडिएट में रेणू, रवि, जूली ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त किया। प्राथमिक विद्यालय चौरावाला में पुलकित धीमान, बुशरा, अलफिजा, डॉ. अम्बेडकर पब्लिक स्कूल चौरावाला में संध्या, विक्रांत, लक्ष्य, श्री वासु पब्लिक स्कूल चौरावाला में आतिफ, यश कुमार, अनिका, शान्ति निकेतन पब्लिक स्कूल चौरावाला में आकाश कुमार, वंश कुमार, यश कुमार, कृष्णा पब्लिक स्कूल चौरावाला में अफिया, लक्ष्य, शरणजीत ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त किया। वहीं यूपी पुलिस में चयनित रोबिन कुमार, शुभम, आकाश, गुंजन सोनू को फूलमाला व पटका पहनाकर व प्रतीक चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। वहीं समारोह में विनोद कुमार, सुभाष बाबू, प्रवीण कुमार, सुमित कुमार, गौरव कुमार, श्रीमती वंदना शर्मा, राहुल कुमार, संतोष कुमार, ब्रहमसिंह, तेजवीर सिंह आदि अध्यापक अध्यापिकाओं को पटका पहनाकर व प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। आदि युवाओं को प्रतीक चिन्ह, प्रमाण पत्र व मैडल देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष अरूण पाल, जयकरण गुर्जर, सोनू शर्मा, मोन्टी शर्मा, पवन शर्मा, ऋतिक शर्मा आदि मौजूद रहे।

स्व. संतोष देवी के प्रयास से समाज की दिशा सैदेव मजबूत: तेजपाल योगी

शामली। अखिल भारतीय उपाध्याय समाज सेवा समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष बाबू राम उपाध्याय की धर्मपत्नी स्व. संतोष देवी की शोक सभा रश्म तेहरवीं लिलोन निवास पर जोगी समाज के दिल्ली, हरियाणा, उत्तराखंड, ओर उत्तर प्रदेश के पूर्व जिलों सहित जोगी समाज के हजारों नेतागण, सामाजिक कार्यकर्ता एवं समाज के अनेको स्टारप्रचारक सहित सभी शामिल हुवे, अखिल भारतीय जोगी, योगी, नाथ, गोस्वामी, उपाध्याय समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष योगी तेजपाल ने शोक सभा में सवेंदना व्यक्त करते हुवे कहा की संतोष देवी ने बचपन से ही अपने माता पिता के आशीर्वाद से समाज सेवा करनी सीखी, ओर शादी के उपरांत बाबू राम उपाध्याय के सात मिलकर पश्चिम उत्तर प्रदेश के साथ साथ अन्य राज्य के जोगी समाज की दशा ओर दिशा बदलने के कार्य बाबू राम उपाध्याय के द्वारा कराया गया है, जो जोगी समाज की आज मजबूत दिशा है, वे सैदेव जोगी जाति में मजबूत रहेगी,शोक सभा में अन्य नेतागण विश्व योगी महासंघ के अध्यक्ष ओमकार पुंडीर, भारतीय योगी समाज दिल्ली प्रदेश के रविन्द्र योगी, जोगी समाज के कै. सुभाष चंद जोगी, योगी शक्ति संघ के चेयरमैन रविन्द्र प्रधान जोगी (सपा नेता) राजेश जोगी, रमेश प्रधान जोगी,राकेश जोगी, अजय जोगी, नितिन उपाध्याय,वेदपाल उपाध्याय,विपिन उपाध्याय, प्रमोद प्रधान, मनोज शिव आर्मी, चंद्रपाल जोगी,राजू जोगी, सचिन खत्री, ललित उपाध्याय, रविन्द्र जोगी,शिव कुमार उपाध्याय, अनेश जोगी,राकेश शास्त्री, बिट्टू,तेजपाल सिंह,किरणपाल महेशपाल,सतीश जोगी महेंद्र सिंह सुरेश पाल,किरण पाल,आरके सिंह, ओम जोगी,सतीश जोगी, कमल सिंह ,मुस्लिम जोगी समाज के सिराजुदिन जोगी, अरविन्द जोगी आदि उपस्थित रहें!!

उत्तर मध्य रेलवे

निविदा सूचना सं. 2220252026 **निविदा सूचना** दिनांक 16.05.2025

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मण्डल रेल प्रबन्धक/उत्तर मध्य रेलवे/प्रयागराज निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाइन (ई-टेण्डरिंग) के माध्यम से खुली निविदा आमंत्रित करते हैं।

ई-निविदा सूचना सं.: 2220252026-70 GEM/2025/B/6238605 Dated- 16.05.2025

कार्य का नाम: ADEN/HQ-I/PRYJ के लिए 01 टन क्षमता वाले 01 मल्टी यूटिलिटी वाहन (MUV) को 02 वर्षों के लिए किराये पर लेना।

अनुमानित लागत: ₹ 9,25,224.00 अमानत राशि: ₹ 18,510.00

निविदा बंद होने की तिथि: 09.06.2025 को 13.00 बजे, कार्य समापन की अवधि: 24 माह, कार्य की प्रकृति: लागू नही। नोट: 1. पूर्ण विवरण एवं निविदा को प्रस्तुति करने के लिए वेबसाइट www.Gem.gov.in पर देखें। 856/25 FA

North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

सम्पादकीय.....

जंगल का मौन संरक्षक

उत्तराखंड के ग्रामीण इलाकों में तेज और फुर्तीला पीले गले वाला मार्टन (मार्टेस फ्लेविगुला) पाया जाता है। स्थानीय लोग इसे तुर्त्याल, तिर्त्याल, चुथरोल, उथराऊ, कुर्सालू, कुरसियार के नाम से जानते हैं। तुर्त्याल एक स्तनपायी जानवर है, जो भारतीय हिमालयी क्षेत्र में व्यापक रूप से पाया जाता है, जिसकी अच्छी–खासी आबादी उत्तराखंड में शिवालिक तलहटी से लेकर मध्य हिमालयी जिलों तक फैली हुई है। नेपाल में इसे मालसाप्रो के नाम से जाना जाता है। पीले गले वाला मार्टन 4510 मीटर की ऊंचाई तक वितरित सबसे कम अध्ययन किए गए जानवरों में से एक है। यह नेवला परिवार का सदस्य है जो दक्षिण–पूर्वी एशिया का मूल निवासी है, जिसमें भारत, चीन और दक्षिण–पूर्व एशिया के कुछ हिस्से शामिल हैं। इस प्रजाति की सटीक उत्पत्ति और यह भारत कैसे पहुंची, यह पूरी तरह से स्पष्ट नहीं है, लेकिन माना जाता है कि यह एशिया में विकसित हुई और प्राकृतिक फैलाव या मानव–मध्यस्थ परिचय के माध्यम से भारत में आई। जीवाश्म साक्ष्य बताते हैं कि मार्टेस जीनस के सदस्य एशिया में देर से मियोसीन से मौजूद हैं, जो लगभग 5–10 मिलियन साल पहले है। कुछ शोधकर्ताओं का यह भी मानना है कि पीले गले वाले मार्टन ने एक भूमि पुल के माध्यम से भारत में उपनिवेश स्थापित किया होगा जो कभी प्लेइस्टोसिन युग के दौरान दक्षिण–पूर्व एशिया और भारतीय उपमहाद्वीप को जोड़ता था। वे भारत के विभिन्न भागों में पाए जाते हैं, विशेष रूप से देश के पूर्वी और पूर्वोत्तर क्षेत्रों में, जिनमें अरुणाचल प्रदेश, असम, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नागालैंड और त्रिपुरा शामिल हैं। भारत में पीले गले वाले मार्टेस की सटीक आबादी ज्ञात नहीं है, लेकिन माना जाता है कि आवास की कमी, विखंडन और शिकार के कारण यह घट रही है। इस प्रजाति को आईयूसीएन रेड लिस्ट ऑफ थ्रेटर्ड स्पीशीज में 'निकट संकटग्रस्त' के रूप में सूचीबद्ध किया गया है, जिसका अर्थ है कि निकट भविष्य में इसके विलुप्त होने का खतरा है। उत्तराखंड में पीले गले वाले मार्टन हिमालय क्षेत्र के चौड़े पत्तों वाले जंगलों में पाए जाते हैं, और उन्हें अक्सर मानव बस्तियों के आसपास देखा जाता है। वे घोसले बनाने के लिए पेड़ों के खोखले, चट्टान की दरारों का उपयोग करते हैं, जो इन्हें सुरक्षा प्रदान करते हैं। पीले गले वाले मार्टन आम तौर पर एकांतप्रिय जानवर होते हैं, लेकिन वे भोजन के स्रोतों के आसपास या प्रजनन के मौसम में इकट्ठा हो सकते हैं। वे कई तरह की मौसम स्थितियों के अनुकूल होते हैं और मध्यम तापमान और अधिक वर्षा वाले क्षेत्रों को पसंद करते हैं। तुर्त्याल जनपद टिहरी, देहरादून, रुद्रप्रयाग, अल्मोड़ा, नैनीताल, में अक्सर देखे जाते हैं। यह बहुत तेज और फुर्तीला होता है और पलक झपकते ही झाड़ियों में छिप जाता है या पेड़ पर चढ़ जाता है। कई साल पहले तक अल्मोड़ा जिले में कसार देवी मंदिर के पास बसे मटेना गांव में भी अक्सर जोड़े में दिख जाते थे पर अब दिखाई नहीं देते। उत्तराखंड की राजधानी देहरादून में आम तौर पर देखा जाता था। लेकिन बड़े पैमाने पर वनों की कटाई, भूदृश्य परिवर्तनों के कारण अब उनके आवास को खतरा है। वैसे पहाड़ी क्षेत्रों में इनका अब कम दिखना चिंताजनक है। मार्टन पारिस्थितिकी तंत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। एक वैकल्पिक शीर्ष शिकारी के रूप में, यह कृन्तकों और पक्षियों जैसे छोटे जानवरों की संख्या को नियंत्रित करने में मदद करता है। इसके अलावा, यह फलों को खाकर और बीजों को फैलाकर वन पुनर्जनन में योगदान देता है, जिससे पौधों की विविधता और वन लचीलापन बढ़ता है। लंदन की क्वींस यूनिवर्सिटी के शोधकर्ता जोशुआ पी. ट्विनिंग और क्रिस मिल्स ने पारिस्थितिकी तंत्र प्रकृतिवादी शोध पत्रिका मार्च, 2021 के अंक में प्रकाशित लेख में उन्होंने भारत के कॉर्बेट राष्ट्रीय उद्यान में पीले गले वाले मार्टन के एक जोड़े द्वारा सफलतापूर्वक शिकार करने के बाद बन्दर (रीसस मैकाक) को झाड़ियों में खींचने का विवरण दिया है। यह शोध पत्र, एक मार्टन द्वारा एक प्राइमेट प्रजाति पर शिकार करने और अपने काफी बड़े शिकार को वश में करने के लिए सहकारी शिकार रणनीति का उपयोग करने का सबूत प्रदान करता है। कई अन्य जानवरों की तरह, इनके अवयव पारंपरिक अनुष्ठानों और समारोहों में इस्तेमाल किए जाते हैं। स्थानीय लोग मानते हैं कि इसकी हड्डी लगाने से कैंसर या घातक फोड़े ठीक हो जाते हैं। क्योंकि मार्टेन कुशल शिकारी होते हैं, कई संस्कृतियों में यह भी माना जाता है कि इसके मांस या अंगों में औषधीय गुण होते हैं। एक शोध पत्र के अनुसार, कुछ संस्कृतियों का मानना है कि जानवर की जीवित रहने की क्षमता और उसका शक्तिशाली स्वभाव उसके अंगों के उपयोग के माध्यम से मनुष्यों में स्थानांतरित किया जा सकता है। कुछ शोधकर्ता बदलते जलवायु और इनके आवास विखंडन, मानवीय व्यवधान और शिकार (कुत्ते भी मार्टन के लिए खतरा हैं), इनकी आबादी के लिए चिंताजनक मान रहे हैं।

श्रेष्ठ सफलता के लिए चिंता नही चिंतन की आवश्यकता

डॉ. दीपक पाचपोर

वैसे जीवन में दुष्कर, कठिन कार्य को पहले चुनना चाहिए जिससे पूरी शक्ति एवं उर्जा लगाकर हम उसे प्राप्त कर सकेस कठिन कार्य से घबराकर उससे पलायन करना निराशा को जन्म देता है।

निराशा और चिंता मनुष्य के जीवन की प्रगति के बड़े बाधक हैंस निराशा को तत्काल विचारों से अलग करें और चिंता को अपने मस्तिष्क में ना आने दे अन्यथा अत्यधिक चिंता व्यक्ति को चिता तक ले जाने में देर नहीं करती है अतः सकारात्मक सोच के साथ नवीन संकल्प और दृढ़ निश्चय रखकर जीवन के पथ में अग्रसर हो हों। मन ही मन यदि आपने किसी कठिन कार्य को करने का संकल्प ले लिया तो निरंतर जिजीविषा और संयम के साथ संघर्ष हर बड़ी जीत और सफलता के उत्तम मार्ग हैं। वैसे जीवन में दुष्कर, कठिन कार्य को पहले चुनना चाहिए जिससे पूरी शक्ति एवं उर्जा लगाकर हम उसे प्राप्त कर सकेस कठिन कार्य से घबराकर उससे पलायन करना निराशा को जन्म देता है। निराशा से बढ़कर कोई अवरोध नहीं अतः निराशा, हताशा को त्यागें और ऊर्जा उत्साह के साथ आगे बढ़े, सफलता आपके कदमों पर होगी। हर बड़ा व्यक्ति जो हमें समाज से अलग हटकर खड़ा दिखाई देता हैस जिसे हम विलक्षण मानते और प्रतिभा संपन्न मानते हैं और आज के संदर्भ में हम उसे सेलिब्रिटी कहते हैं तो निसंदेह उसकी इस सफलता के पीछे अनवरत श्रम, अदम्य मानसिक शक्ति और संयम छुपा होता हैस बड़ी सफलता प्राप्त करने का कोई सरल उपाय या शॉर्टकट नहीं होता है। विपरीत परिस्थितियों में मनुष्य की मानसिक दृढ़ता एवं संकल्पित कठिन श्रम ही सफलता के रास्ते खोलते हैं। यूं तो हर इंसान के जीवन में विशेषताएं, मान्यताएं, प्रतिबद्धताओं और आकांक्षाएं होती हैंस सभी लोग मूलभूत आवश्यकताओं के साथ साथ सामाजिकता , प्रसिद्धि और प्रतिष्ठा जैसी उच्च स्तरीय आवश्यकताओं की पूर्ति करना चाहते हैं। मानव की स्वाभाविक और अदम्य इच्छा की पूर्ति के संपूर्ण जीवन और उसके अस्तित्व के लिए अत्यंत आवश्यक है किंतु व्यक्ति की इच्छा,आकांक्षा सफलता उस उसके मूल्यों,सिद्धांतों और आदर्शों की कीमत पर कतई नहीं होनी चाहिए स यदि व्यक्ति की आकांक्षा,सफलता और इच्छा उसकी अदम्य इच्छा, भूख और मूल्यों को समाविष्ट ना करते हुए दूसरी दिशा में जाती हो तो ऐसे में उसकी सफलता पूरे मानव समाज और मानवता के लिए संकट का कारण भी बन सकती हैस जिस तरह एक वैज्ञानिक मेहनत, लगन, प्रयोगशाला में मानवी संविधान मूल्यों से ओतप्रोत मानव कल्याण के उपकरण न बनाकर जैविक व रासायनिक हथियार बनाकर व्यापक नरसंहार जैसे अमानवीय अविष्कार को मूर्त रूप दे, तो यह समाज के लिए खतरनाक हो सकता है। यही वजह है की सफलता का नक्शा और इच्छा के पीछे माननीय मूल्यों का होना अत्यंत आवश्यक भी है। मूल्य, सिद्धांत और नैतिकता जीवन के लक्ष्य और उसके क्रियान्वयन में सर्वाधिक संवेदनशील एवं महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। सफलता की धारणा केवल स्थापित मापदंड न होकर मानवीय मूल्यों से जुड़ा होकर मानव कल्याण के लिए भी होना चाहिएसइसमें कोई संदेह नहीं की विश्व भर की सभी सभ्यताओं, संस्कृतियों और धर्मों में अहिंसा, सत्य ,करुणा, सेवा, दया और विश्व बंधुत्व की भावना की निर्विवाद उपस्थिति दिखाई देती हैस और वैश्विक विकास की अवधारणा भी इन्हीं बिंदुओं पर रखकर तय की जाती है। भारत में प्राचीन काल से ही मूल्यों की प्रतिबद्धता की परंपरा चली आ रही हैसऋषि–मुनियों ने तो यहां तक कहा है कि जिसका चरित्र तथा माननीय आदर्श चला गया वह व्यक्ति, मृतक लाश की तरह हो जाता है। भारतीय संस्कृति में आदर्शों तथा मूल्य के पोषक उदाहरणों की अंतहीन सूची है जिनमें कबीर, रैदास, संत,ज्ञानेश्वर तुकाराम,मोइनुद्दीन चिश्ती, निजामुद्दीन औलिया, रहीम,खुसरो, गांधी,नेहरू, टैगोर, सुभाष, विवेकानंद जैसे महान लोग सिद्धांतों की प्रतिबद्धता को अपने जीवन की सफलता मानकर अपने जीवन को समाज को सौंप दिया था। परिणाम स्वरूप व्यक्ति को महज सफलता का पुजारी ना बन कर मूल्यों के प्रति प्रतिबंध होने का प्रयास करना चाहिए। ताकि तनिक सफलता के स्थान पर चिरस्थाई एवं समाज उपयोगी सफलता प्राप्त हो सके। वर्तमान में यह स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है कि व्यक्ति स्वाद तथा सफलता के लिए अक्सर अपने मूल्यों को तिलांजलि दे देता है। वर्तमान सुख एवं लालच चिरस्थाई सफलता के सामने महत्वपूर्ण एवं प्राथमिक हो जाता है। आज मनुष्य तत्काल एवं अस्थाई सफलता के पीछे माननीय मूल्यों प्रतिबद्धताओं को किनारे कर उस मरीचिका की तरफ दौड़ रहा है जो अत्यंत अस्थाई एवं पानी के बुलबुले की तरह है। और इससे न तो कोई इतिहास बनता है और ना ही कोई प्रतिमान ही स्थापित होता है। पानी का पतला रेला नदी का रूप नहीं ले सकता। उसी तरह बिना मूल्यों की सफलता स्थाई नहीं होती है। राजनीति तथा प्रशासन में मूल्यों सिद्धांतों की तो ज्यादा आवश्यकता महसूस की जाती है। क्योंकि राष्ट्र तथा नीति निर्देशक तत्वों को संचालन की दिशा देने के लिए मानवीय संवेदना, मूल्य और सिद्धांतों की अत्यंत आवश्यकता होती है। अन्यथा समाज दिग्भ्रमित होकर बिखरने के कगार पर पहुंच जाता है। राष्ट्र विखंडित होने की स्थिति में आ जाता है। मूल्य विहीन समाज अपने अधिकारों के दुरुपयोग तथा कर्तव्य के प्रति लापरवाही तथा उदासीनता के चलते समाज को सोचनीय स्तर पर लाकर खड़ा कर देता है। सफलता तब ही शाश्वत तथा स्थाई हो सकती है जब इसमें जीवन के मूल्यों और सिद्धांतों का समावेश होता है। वही देश और राष्ट्र चिरस्थाई तथा लंबे समय तक स्वतंत्र रह सकता है, जिसके शासक एवं प्रजा अपने संपूर्ण कार्य मूल्यों, उसूलों और नैतिक प्रतिबद्धता के मार्ग पर चलकर वैश्विक देशों से अपने संबंध निर्मल तथा सैद्धांतिक बनाकर रखता हैअन्यथा उस राष्ट्र को विखंडित और पराधीन होने से कोई नहीं बचा सकता।

वैवाहिक संस्कार के अवसर पर कई गीतों का रहा है चलन

नई पीढ़ी में इसके प्रति कम हो रही अभिरुचि चिन्तनीय

हमारी सनातन संस्कृति में रचे–बसे जनमानस के सामाजिक लोकजीवन में संस्कार गीतों का ताना–बाना और इनकी विविधा के लोकरंग से सृजित सामाजिक परम्पराएं हमारी अनमोल विरासत हैं। हमारे यही संस्कार गीत सहज मानवीय अभिव्यक्ति के साथ मन के भाव,प्रभाव सृजित कर रीति रिवाजों के संवाहक बन कर हमें मार्मिक अनूभूतियों से तार–तार जोड़ते रहे हैं।जन्म के पूर्व और उसके उपरान्त हमारे जीवन के विभिन्न पड़ावों के बीच लगभग सोलह संस्कारों की परंपरा का चलन रहा है गर्भाधान, पुंसवन, जन्म, नामकरण, अन्नप्राशन, कर्णछेदन, सीमांतोनयन, जातकर्म, विद्यारंभ, समावर्तन, वेदारम्भ, विवाह एवं दाह–संस्कार के अवसर पर हमारी मान्यताओं के अनुरूप

समाज अपनी इसी परिपाटी का अनुगमन करता रहाआधुनिकता के परवान चढ़ रहे आज के बदलते दौर में इन्हीं के बीच हमारे विवाह संस्कार की उस परम्परा को जीने के रागरंग में काफी कुछ सिमटता जा रहा है। चार दशक पहले वाले गांव में कभी शादी विवाह की तिथि निश्चित होने के साथ वरक्षा, तिलक, विवाह, द्विरागमन जैसे मौके पर पखवारे भर पहले से ही बैबाहिक गीतों की गूंज सुनाई पड़ती थी। शादी वाले घरों में दिन भर कामकाज के उपरांत रात में घर और पास पड़ोस की महिलाएं चौपाल में जुट जातीं।देर रात तक बियाह गीतों से माहौल गुलजार होता। वर और कन्या दोनों के घर बिबाह के दिन तक यह सिलसिला चलता रहता।हमारे बैबाहिक संस्कार गीतों में बन्नी–बन्ना, नेहछू,तेलटीका, माटीमागर, मायन, गारी, सोहगैली, भांवर, पउंपुजी, माडौ, कोहबर, बेलनहाई, नकटा, घाटो, बिदाई, परछन, टिकरी जैसे कई गीतों का चलन रहा। समधी जी के साथ तिलक चढ़ाने पहुंचे कन्या पक्ष के लोगों की आवभगत के बाद शुरू हुई थानथार,दानपान की बेला में यह गीत बहुत चर्चित हुआ–जरा लाइट दिखाओ,तिलक देखूंगी। केकरेदुअरवा बाजन बाजइ,केहि केर रचा हो,बियाह।माई कहंइ बेटी नियरे बियहबइ,बपई कहंइ बड़ी दुरि।अब जिनि हथवा सिकोरउ हो फलाने रामा,होइगै विदाई के जूनि। इसके अलावा भी कई पारम्परिक बिबाह गीत बहुत चर्चित हुए। माटीमांगर के मौके पर गांव के देवी चौरे पर पहुंच कर देवी मैया की मनौती करती महिलाओं द्वारा गाये जाने वाले सगुन गीत – सगुना लिहे रामा आवत होइहीं,झांझर गेडुआ गंगा जुड़पानी,सगुना लिहे रामा घूंटत होइहीं।कई बिबाह गीतों में..सोने की थारी मां,जेउना परोसेंउ,लाची लवांगें के बीणा लगायेंउं और बेला चमेली के सेजा बिछायेंउं जैसे बोल मुखरित हुए गृहस्थआश्रम में दांपत्य जीवन के नई पारी की शुरुआत और परछन गीत में गृहस्थी से जुड़ी कई चीजों का शब्द शिल्प देखते ही लायक रहता है–लोढवा ल दूलहे,हो मुसरा ल दूलहे,कि सुपवा सगुन शुभ होइ।। माडौ की छवाई के समय वर कन्या के पांव पूजा की बेला में –कांपइ थारी हो,कांपइ गेडुआ कि कांपइ कुशा कइ डार। अंगने मा कांपइ बाबा हो कवन रामा,देत की कुंवारी

कय दान। जैसे गीत प्रायः गाये जाते। द्वार चार के समय मायन का दीप का कलश सजाकर खड़ी महिलाओं द्वारा गाये जाना वाला मायनगीत बहुत लोकप्रिय हुआ –रथ चढ़ि आयेनि दुलहे कवन रामा,सिया जी के दुअरा अंजोर।बिबाह के पूर्व जनवासा में पहुंच कर वर को भोजन कराने वाली कन्या की सहेलियों द्वारा बड़े मनुहार के साथ सोहगैली गीत गाये जाने की परम्परा रही। बारातियों द्वारा भोजन करते समय महिलाओं द्वारा चुनिंदा बारातियों का नाम ले लेकर गारी गीत गाने का अलग रंग दिखता।बीछी डोलि गईं सगरे अंगनवा मां,बीछी डोलि गईं। या फिर –समधी जी की घोड़ी,चने के खेत में।निहुरि परोंसइं राजा जनक जी,धोतिया मइलि होइ जाई कि हां जिउ जैसे गारी गीतों में हंसी ठिठोली अनुहार के रागरंग गहबर होते रहे। बारात की विदाई के बाद दूल्हा और दुल्हन द्वारा गांठ जोड़कर गृह प्रवेश करते समय टिकरी गीत में उल्लास और ठिठोली का एक अलग रंग दिखाई पड़ता है –अब तक रहेव बेटा माई के दुलेरवा, अब होइ गया बहू के गुलाम हो, टिकरिया बीने चला। घर में नई बहू के प्रवेश के एक दिन बाद महिलाएं घाट–बाट उठातीं और गांव के कुएं,मंदिर,ताल पोखर तक पहुंच

कर परम्परागत पूजन करते समय घाटो गीत गातीं–पूजन जाइ दा सेवकिया के चारि चुटुकी।इसी दौरान हंसी ठिठोली का भी एक रंग दिखता–तरे नरियरवा कै बारी,उपर श्याम गेंदा लगाइदा। या फिर –जउ हो फलाने रामा,तोहरी आंखी उठी कुछु दइल्या...कोस कोस पर पानी और चार कोस पर बानी के अनुरूप अलग–अलग स्थानों पर अपनी बोली बानी में वैवाहिक संस्कार से जुड़े विविध गीतों का अनूठा लोकरंग आज के नये दौर में तब जैसा नहीं दिख रहा। हो न हो परम्परा के बदलते रंग–ढंग को लेकर तब और अब की बारात में बदलाव है। पुराने गीतों के रागरंग भी बदलते जा रहे हैं तो वहीं औपचारिकता से भरपूर माहौल में एक नया नशा,नई धुन और तमाम उधेड़बुन के बीच अब वह आलम नहीं दिख रहा।कभी दूल्हे के लिए घड़ी, साइकिल सोने की सिकड़ी और समधी जी को माडौ हिलाई में मिली गाय, भैंस वाले दिन अब लद गये।

जोरा–जामा, डोली कंहार और द्वार चार का आलम भी बदला तो वहीं किराये के हलवाई, गेस्ट हाउस, गाडियां डीजे, रोडलाइट और हालीबुडिया–वालीबुडिया धमाचौकड़ी के आशिक मिजाजी में बारात का रंग रौब भी आधुनिकता के बीच वैभव,सम्पन्नता के दिखावे की होड़ में बेबश होकर छले जा रहे,हाथ मले जा रहे और चले जा रहे लोगों की भीड़ है। शादी विवाह के अनुबंधों के बीच राष्ट्र कहीं दहेज़ के लोभ का क्षोभ,कटुतापूर्ण सम्बन्ध,टूटते रिश्तों की घुटन और भी बहुत कुछ...

अशोक सिंह 'बेशरम'
कवि एवं समीक्षक
करछना, प्रयागराज

नौकरी पात्रता में पुराना ढर्रा छोडें सरकार

प्रेम शर्मा

आज का जीवन तेजी से डिजिटलीकृत हो रहा है। कंप्यूटर शिक्षा युवाओं को इस बदलती दुनिया के साथ तालमेल बिठाने में मदद करती है। कंप्यूटर कौशल की मांग सभी क्षेत्रों में बढ़ रही है। जिससे कंप्यूटर शिक्षा प्राप्त युवाओं को विभिन्न प्रकार के रोजगार प्राप्त करने में मदद मिलती है। शायद यही कारण है कि देश के युवाओं ने अपनी शिक्षा के साथ अब कम्युटर शिक्षा को अनिवार्य मानते हुए अलग अलग तरीके के कम्यूटर कोर्स करने शुरू कर दिये है। प्रतिवर्ष राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान से प्रमाणित यूपीटेक जैसे तमाम जगहों से प्रतिवर्ष हजारों बच्चे कंप्यूटर की शिक्षा लेकर ट्रिपल सी, ओ लेबिल, एलेबिल, डाटा एन्ट्री, टेली विथ जीएसटी आदि के प्रमाण पत्र लेकर कंप्यूटर शिक्षा में दक्ष होकर बेकार घूम रहे है। यही नही इंटर के बाद सरकारी सेवा की लालच में बच्चों ने बीसीए और एमसीए को अपना टारगेट बना रखा है। हजारों बच्चें आज बीसीए और एमसीए करने के बाद निजी संस्थानों में काफी कम मानदेय में नौकरी कर रहे है। केन्द्र एवं राज्य सरकारों द्वारा निकाली जाने वाली भार्तियों में आज भी लगभग वही पुराना ढर्रा अपनाया जा रहा है। अब जबकि ग्राम पंचायत से लेकर शीर्ष कार्यालयों तक कंप्यूटरीकरण का अत्याधिक उपयोग शुरू हो चुका है ऐसे में पुराने ढर्र पर भार्तियों के चलते शिक्षणा संस्थानों से लेकर आम और खास कार्यालयों तक में कंप्यूटर शिक्षित कर्मिकों की कमी खल रही है। हालांकि केन्द्र एवं राज्य सरकारों ने कर्म खर्च में काम की रणनीति अपनाते हुए संविदा और ठेका प्रणाली से नाममात्र के कंप्यूटर शिक्षित लोगों को काम दे रखा है लेकिन उसका उतना लाभ न तो सरकार उठा पा रही है न ही आम जनमानस को उसका लाभ मिल पा रहा है। यहॉ यह मुद्दा उठाने के पीछे कई लाजिक है। जैसे पुलिस विभाग में आज के दौर में सबसे ज्यादा साइबर अपराध हो रहे ऐसे में इस क्षेत्र के आपराधियों से निपटने के लिए भारी भरकम शरीर या उच्च शिक्षित कार्मिक की जगह अगर कंप्यूटर विशेषज्ञ इनके साइबर सेल शामिल किए जाए तो इस तरह के अपराधियों को पकड़ने में सहायता मिलेगी। अगर इस आधार पर प्रत्येक जिले के साइबर सेल में कंप्यूटर विशेषज्ञों की भर्ती की जाए तो काफी कंप्यूटर विशेषज्ञ छात्रों को रोजगार मिल सकता है। यही हाल रेलवे, कृषि, स्वास्थ्य, परिवहन, ऊर्जा मंत्रालय,राजस्व, आयकर, बिक्रीकर सहित शिक्षा विभाग का है। केन्द्र सरकार और राज्य सरकार के सचिवालयों में तो हर हाल में कंप्यूटर विशेषज्ञों भर्ती होनी चाहिए। क्योकि अब तक सचिवालयों में 90 प्रतिशत काम पेपर लेस के करीब पहुंच चुका है। यही नही अगर वाकई सरकार पेपर लेस वर्क के आधार पर काम कर रही है तो उसे हर छोटे से बड़े विभाग में एक अलग कंप्यूटर विंग बनाना चाहिए जिसमें उधर या आधे अधूरे ज्ञान वाले नही बल्कि पात्र कंप्यूटर विशेषज्ञों की तैनाती की जाए। क्योकि पिछले कुछ सालों में हर विभाग में कंप्यूटरीकरण के नाम पर हजारों हजार कंप्यूटर खरीद कर इन्टरनेट से जोड़ तो दिये गए लेकिन कार्मिकों को कंप्यूटर का ज्ञान न होने के कारण वे डिब्बे या फिर गेम खेलने के काम आ रहे है। अगर सरकार एक बार अपना पुराना भर्ती की पात्रता को दरकिनार कर हर विभाग में फिलहाल रिक्त पदों पर पद के सापेक्ष 50 प्रतिशत पदों पर कंप्यूटर की पात्रता वाले युवाओं को भर्ती कर ले तो व्यापक स्तर पर सुधार दिखाई देगा। हालाकि कि सरकार की अपनी नीति के तहत केन्द्र एवं राज्य सरकारों के अधिनस्थ रिक्त पदों की संख्या खुलकर या स्पष्ट रूप से सामने नही आती लेकिन कभी कभार सदन में उठाये जाने वाले प्रश्नों के माध्यम से पता चलता है कि केन्द्र सरकार के अधिनस्थ वर्तमान समय से दस लाख और प्रत्येक राज्य सरकारों में औसतन 30 से 40 प्रतिशत पद रिक्त है। सबसे खात बॉत यह कि चतुर्थ श्रेणी संवर्ग जिसमें सर्वाधिक लोगों को रोजगार मिलने से उनके परिवाार का भरण पोषण होता था उसे समाप्त कर सरकार ने ठेका प्रथा के हवाले कर इस संवर्ग के लोगों का मानसिक, आर्थिक शोषणा का रास्ता खोल दिया है। आज देश में केन्द्र और राज्य सरकारों के अधिनस्थ ठेका प्रथा में शोषण का शिकार हो रहे कार्मिकों की संख्या करोड़ का आकड़ा पा कर गई है। एक जानकारी के अनुसार अभी केंद्र सरकार के तहत आने वाले लगभग 78 विभागों में 9.79 लाख पद खाली हैं। देशभर के सरकारी स्कूलों में भी शिक्षकों के लगभग 10.6 लाख से ज्यादा पद खाली हैं। पूरे देश में शिक्षकों के 61 लाख 84 हजार 464 पद स्वीकृत हैं, जबकि अलग–अलग राज्यों में कुल 10 लाख 60 हजार 139 पद खाली हैं। इसमें बिहार और यूपी टॉप पर देखे जा सकते है। यानि कि इनमें अगर दस प्रतिशत भी कंप्यूटर विशेषज्ञों भर्ती बदलते परिवेश और जरूर के हिसाब से कर दी जाए तो एक लाख ओ लेबिल, ए लेबिल, बीसीए और एमसीए बच्चों को सरकार रोजगार दे सकती है।

लघुकथा: जाऊं कहां????

ष्ये जो हल्का– हल्का सुरूर हैष्.... रीवा के पुल पर चढ़ते ही काव्या ने कुश से गाने का वाल्यूम और बढ़ाने को कहा। कार ने भी अब कुछ रफ़्तार ले ली थी । अचानक गाने का वाल्यूम कम करते हुए ष्तो अब 12 वीं के बाद क्या करना है , कुछ फ़ाइनल किया काव्या?ष पापा ने पूछा । काव्या ने कहा मैं अभी भी बहुत कन्फ़्यूज़ हूं पापा । कहां जाऊं ? समझ में नहीं आ रहा है कि जेई की तरफ़ जाऊं या एनडीए की तैयारी करूं ?

लेकिन अब तक तो तुम्हें रास्ता चुन लेना चाहिए था काव्या, तुम अब भी कन्फ़्यूज़ कैसे हो सकती हो? पापा ने लगभग खीझते हुए कहा, ष्इंजीनियरिंग करनी है तो उसी पर फ़ोकस करो और अगर एनडीए करना है तो बाक़ी सब छोड़कर उस के लिए मेहनत करो ।ष काव्या ने कुछ सोचते हुए कहा ष पापा मुझे लगता है जेई कर लूं और साथ में एनडीए की भी तैयारी कर सकती हूं।ष

तभी काव्या की मां ने सवाल किया ष्काव्या हमें कहीं जाने के लिए पहले क्या करना पड़ता है ? इसका जवाब कुश ने तुरंत ही दे दिया, ष्ममी गूगल मैप कर एक रास्ता ढूंढना पड़ता है, जिस पर ट्रैफ़िक न हो और सड़कें भी ठीक –ठाक हों ।ष सब ठहाका मार कर हंसने लगे। बिल्कुल सही कहा कुश । मां ने काव्या की तरफ़ मुड़ते हुए कहा कि इसी तरह हमें करियर स्ट्रीम को लेकर भी चुनाव करना ही पड़ता है। या तो जिस विषय पर तुम्हारी ज़्यादा पकड़ है या जो विषय तुम्हें ज़्यादा आकर्षित करते है, वो चुनो ....लेकिन सब से पहले एक विकल्प तो चुनना ही होगा। काव्या मुस्कुरा रही थी और एफ एम पर धीमा बजता गीत अब एकदम साफ़ सुनाई देने लगा था – ष्हर करम अपना करेंगे ,ऐ वतन तेरे लिएष।

संगीता 'सुमन'

तुम्हारी याद आ रही, छुट्टियों पर निकलीं खुशी कपूर के लिए बोलीं जान्हवी

अभिनेत्री खुशी कपूर इन दिनों दोस्तों के साथ विदेशों में छुट्टियां मना रही हैं। सोशल मीडिया पर उन्होंने तस्वीरें शेयर कर झलक दिखाई, जिस पर अभिनेत्री जान्हवी कपूर ने कमेंट कर बताया कि वह अपनी छोटी बहन को मिस कर रही हैं। खुशी ने इंस्टाग्राम हैंडल पर छुट्टियों की तस्वीरें शेयर की हैं। पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए जान्हवी ने कमेंट सेक्शन में लिखा, आई मिस यू। शेयर की गई तस्वीरों में से एक में खुशी समंदर के किनारे टहलती नजर आईं और दूसरी तस्वीर में अपने दोस्त और इंफ्लुएंसर ओरी के साथ मुस्कुराते हुए पोज देती नजर आईं। एक अन्य तस्वीर में वह नेल आर्ट भी दिखाती नजर आईं। इससे पहले जान्हवी कपूर ने इंस्टाग्राम स्टोरीज सेक्शन पर एक खास पल की तस्वीर शेयर की। इस तस्वीर में वह अपनी ही फिल्म श्गुंजन सक्सेना–द कारगिल गर्ल को नेटफ्लिक्स पर देखती नजर आ रही हैं। यह फिल्म साल 2020 में रिलीज हुई थी, जिसे लोगों ने काफी पसंद किया था। इस फिल्म में जान्हवी ने भारतीय वायुसेना की पहली महिला पायलट गुंजन सक्सेना का किरदार निभाया था, जो कारगिल युद्ध के समय घायल सैनिकों को बचाने के मिशन पर गई थीं। उनका यह किरदार न सिर्फ चुनौतीपूर्ण था, बल्कि प्रेरणादायक भी था। उन्होंने खुद को इस किरदार में ढालने के लिए काफी मेहनत की थी। इसके लिए उन्होंने वायुसेना की ट्रेनिंग, पायलट बनने की तैयारियों की बारीकियों को सीखा, और मानसिक रूप से एक बहादुर सैनिक की तरह खुद को तैयार किया। यह किरदार उनके करियर के लिए बेहद अहम था। उन्होंने इस फिल्म को दोबारा देखकर अपने उस समय की मेहनत और यादों को ताजा किया। यह फिल्म कारगिल गर्ल के नाम से मशहूर वायुसेना की महिला पायलट गुंजन सक्सेना पर बनी थी जिन्होंने 1999 के कारगिल युद्ध के दौरान 18,000 फुट की ऊंचाई पर चीता हेलीकॉप्टर उड़ाया था। उन्हें युद्ध क्षेत्र में साहस दिखाने के लिए शौर्य वीर पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया था। यह पुरस्कार पाने वाली वह पहली महिला बनीं। इस फिल्म में जान्हवी कपूर के अलावा, पंकज त्रिपाठी, अंगद बेदी, विनीत कुमार सिंह, मानव विज, मनीष वर्मा, आयशा रजा मिश्रा जैसे कलाकार नजर आए। अंगद बेदी गुंजन के भाई अंशुमान के रोल में नजर आए। वहीं, पंकज त्रिपाठी उनके पिता के किरदार में थे। गुंजन की बायोपिक का निर्देशन शरण शर्मा ने किया है, जबकि फिल्म का प्रोडक्शन करण जौहर, हीरू, अपूर्व मेहता और जी स्टूडियो ने मिलकर किया है। फिल्म की कहानी निखिल मेहरोत्रा और शरण ने मिलकर लिखी है।

> “
> खुशी ने इंस्टाग्राम हैंडल पर छुट्टियों की तस्वीरें शेयर की हैं। पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए जान्हवी ने कमेंट सेक्शन में लिखा, आई मिस यू। शेयर की गई तस्वीरों में से एक में खुशी समंदर के किनारे टहलती नजर आईं और दूसरी तस्वीर में अपने दोस्त और इंफ्लुएंसर ओरी के साथ मुस्कुराते हुए पोज देती नजर आईं। एक अन्य तस्वीर में वह नेल आर्ट भी दिखाती नजर आईं।

पाक के लिए जासूसी करने वाली ज्योति मल्होत्रा पर भड़का रूपाली गांगुली का गुस्सा, कहा–एक भी नहीं बख्शा जाना चाहिए

टीवी एक्ट्रेस रूपाली गांगुली देश–दुनिया की खबरों पर पूरी नजर रखती हैं और अक्सर देश से जुड़े मुद्दे पर खुलकर अपनी आवाज उठाती हैं। पिछले दिनों भारत–पाक तनाव के बीच एक्ट्रेस ने पाकिस्तान के खिलाफ अपनी भड़ास निकाली थी। वहीं, अब हाल ही में उन्होंने यूट्यूबर ज्योति मल्होत्रा मामले पर अपनी बात रखी है। उस ज्योति मल्होत्रा पर, जिस पर पाकिस्तान के लिए जासूसी करने का आरोप है। रूपाली गांगुली ने अपने ट्विटर पर एक पोस्ट करते हुए लिखा, 'ऐसे लोगों को पता ही नहीं चलता कि पाकिस्तान के प्रति उनका प्यार कब भारत के प्रति नफरत में बदल जाता है। पहले तो वो श्अमन की आशाश की बात करते हैं और अंत में भारत से नफरत करने लगते हैं। ना जाने ऐसे कितने लोग हैं, जो देश के खिलाफ गुप्त रूप से काम कर रहे हैं, एक भी नहीं बख्शा जाना चाहिए।' एक्ट्रेस के इस पोस्ट का यूजर्स पूरा समर्थन कर रहे हैं। एक यूजर ने कमेंट करते हुए लिखा, 'देश में गद्दारों की कमी नहीं है, कभी खुद की दिमागी उपज और कभी किसी से ब्रेनवाश्ड।' एक यूजर ने इस तरह के लोगों के लिए मौत की सजा की मांग की। बता दें, इससे पहले रूपाली गांगुली ने ट्विटर पर पोस्ट करते हुए तुर्किये को बायकॉट करने की बात कही थी। एक्ट्रेस ने कहा था, क्या हम सभी प्लीज तुर्किये के लिए अपनी बुकिंग रद्द कर सकते हैं? यह मेरा सभी भारतीय सेलेब्स,इन्फ्लुएंसर्स,यात्रियों से अनुरोध है। भारतीय होने के नाते हम कम से कम इतना तो कर ही सकते हैं।

अवैध निर्माण को लेकर बीएमसी ने मिथुन चक्रवर्ती को जारी किया कारण बताओ नोटिस

मुंबई के मलाड स्थित एरंगल गांव में अवैध निर्माण को लेकर बीएमसी (बृहन्मुंबई नगर निगम) की पी–नॉर्थ वार्ड ने अभिनेता और भाजपा नेता मिथुन चक्रवर्ती को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। यह नोटिस 10 मई को जारी हुआ था, जिसमें मुंबई महानगरपालिका अधिनियम की विभिन्न ध ाराओं के तहत अवैध निर्माण का हवाला दिया गया है। बीएमसी का आरोप है कि बिना अनुमति के ग्राउंड–प्लस–मेजनाइन फ्लोर वाले दो स्ट्रक्चर, एक ग्राउंड फ्लोर का ढांचा और तीन अस्थायी यूनिट्स बनाई गई हैं। इन यूनिट्स में ईंट, लकड़ी की पट्टियां, कांच की दीवारें और एसी शीट्स की छतें इस्तेमाल की गई हैं, जो नियमों का उल्लंघन है। बीएमसी ने चेतावनी दी है कि अगर संतोषजनक जवाब नहीं मिला, तो धारा 475 ए के तहत कानूनी और ढांचा तोड़ने की कार्रवाई की जाएगी। बीएमसी से नोटिस मिलने के बाद अभिनेता मिथुन चक्रवर्ती ने प्रतिक्रिया दी और कहा, "मैंने कोई अवैध निर्माण नहीं करवाया। कई लोगों को नोटिस भेजे गए हैं और हम अपना जवाब भेज रहे हैं।" वहीं, मामले में सामाजिक कार्यकर्ता नदीम शेख ने सवाल उठाया है कि जब हाल ही में 24 अवैध ढांचों को तोड़ा गया, तो मिथुन चक्रवर्ती के निर्माण को क्यों छोड़ दिया गया? बीएमसी का कहना है कि मई के अंत तक एरंगल और आसपास के इलाकों में कुल 101 अवैध संरचनाएं ध्वस्त की जाएंगी। यह पहला मौका नहीं है जब मिथुन चक्रवर्ती को इस तरह का नोटिस मिला है। साल 2011 में भी बीएमसी ने उनके खिलाफ ऐसा ही नोटिस जारी किया था। मुंबई में कई दिनों से अवैध निर्माण को लेकर बीएमसी की कार्रवाई चल रही है। बता दें, अभिनेता मिथुन चक्रवर्ती के पास कई आलीशान बंगले, होटल और जमीनें हैं। मुंबई और कलकत्ता के अलावा उनके पास ऊटी में भी एक आलीशान फार्महाउस है।

ऑस्कर विनर रॉबर्ट बेंटन का निधन, 'क्रेमर वर्सेज क्रेमर' से मिली थी दुनिया भर में पहचान

हॉलीवुड के मशहूर फिल्ममेकर और ऑस्कर विजेता रॉबर्ट बेंटन का 92 वर्ष की उम्र में निधन हो गया है। उनके बेटे जॉन बेंटन ने जानकारी दी कि उनका निधन न्यूयॉर्क के मैनहटन स्थित घर में हुआ। बेंटन का जाना फिल्म जगत के लिए एक बड़ी क्षति है। उन्होंने करीब छह दशक के करियर में कई ऐतिहासिक फिल्मों को जन्म दिया और तीन बार ऑस्कर अवॉर्ड अपने नाम किया। साल 1979 में रिलीज हुई फिल्म 'क्रेमर वर्सेज क्रेमर' ने रॉबर्ट बेंटन को दुनियाभर में मशहूर कर दिया। इस फिल्म में उन्होंने न केवल निर्देशन किया बल्कि इसकी पटकथा भी लिखी। फिल्म ने पांच

ऑस्कर अवॉर्ड जीते जिनमें बेस्ट फिल्म और बेस्ट डायरेक्टर भी शामिल थे। डस्टिन हॉफमैन और मेरिल स्ट्रीप की अदाकारी से सजी इस फिल्म ने तलाक और पैरेंटिंग जैसे मुद्दों को बेहद भावनात्मक तरीके से दर्शाया। 1967 में आई फिल्म 'बोनी एंड क्लाइड' को बेंटन ने डेविड न्यूमैन के साथ मिलकर लिखा था। वॉरेन बीटी और फेय डनवे की मुख्य भूमिका वाली इस फिल्म ने 60 के दशक में क्राइम सिनेमा की परिभाषा ही बदल दी थी। यह फिल्म कल्चर आइकन बन गई और बेंटन को बतौर लेखक बड़ी पहचान दिलाई। टेक्सास के वैक्साहाची में जन्मे रॉबर्ट बेंटन को फिल्मों का शौक अपने पिता से मिला था। उन्होंने टेक्सास यूनिवर्सिटी और कोलंबिया यूनिवर्सिटी से शिक्षा ग्रहण की। अपने करियर की शुरुआत उन्होंने बतौर आर्ट डायरेक्टर की थी और फिर फिल्म लेखन और निर्देशन की दुनिया में कदम रखा। साल 1984 में रिलीज हुई फिल्म 'प्लेसेस इन द हार्ट' रॉबर्ट बेंटन की मां को समर्पित थी। इस इमोशनल फिल्म को भी ऑस्कर मिला और उन्हें एक बार फिर बेस्ट स्क्रीनप्ले के लिए सम्मानित किया गया। इस फिल्म के जरिए उन्होंने पारिवारिक मूल्यों और संघर्ष को संवेदनशील अंदाज में पेश किया।

कन्नड़ विवाद मामले में सोनू निगम पर फिर लटकी कानूनी कार्रवाई की तलवार, बंगलूरू पुलिस दर्ज करेगी बयान

मशहूर गायक सोनू निगम एक बार फिर विवादों में घिरते नजर आ रहे हैं। हाल ही में बंगलूरू में हुए एक लाइव कॉन्सर्ट के दौरान कन्नड़ भाषा को लेकर की गई कथित टिप्पणी के चलते उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज हुई थी। हालांकि, हालांकि, बीते दिन उन्हें कोर्ट ने राहत देते हुए कहा था कि उन पर कोई दंडात्मक कार्रवाई नहीं की जाएगी, लेकिन अब खबर है कि बंगलूरू पुलिस उनके बयान को दर्ज करने की प्रक्रिया शुरू करने जा रही है। एक रिपोर्ट के अनुसार, बंगलूरू पुलिस की एक टीम मुंबई पहुंच चुकी है। इस टीम में अवलाहल्ली पुलिस स्टेशन के एक इंस्पेक्टर के साथ दो अन्य अधिकारी भी शामिल हैं। उनका उद्देश्य सोनू निगम से पूछताछ कर उनका आधिकारिक बयान दर्ज करना है। यह भी बताया गया है कि पूछताछ की पूरी प्रक्रिया की वीडियो रिकॉर्डिंग की जाएगी। संभावना है कि रविवार को ही यह प्रक्रिया पूरी की जाएगी। यह विवाद उस समय शुरू हुआ जब बंगलूरू में आयोजित एक लाइव कार्यक्रम के दौरान कुछ दर्शकों ने सोनू निगम से कन्नड़ भाषा में गाना गाने की मांग की। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, सोनू ने यह अनुरोध अस्वीकार कर दिया और आरोप लगाया कि कुछ लोग मंच पर अशिष्ट व्यवहार कर रहे थे। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए गायक ने उस स्थिति की तुलना जम्मू–कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले से कर दी। इस बयान को लेकर बवाल मच गया और उनके खिलाफ एक शिकायत दर्ज कराई गई। हालांकि, विवाद बढ़ने पर सोनू निगम ने सार्वजनिक रूप से माफी भी मांगी थी और कहा था कि उनका इरादा किसी की भावना को आहत करने का नहीं था। बावजूद इसके, मामला शांत नहीं हुआ और कानूनी कार्रवाई की प्रक्रिया आगे बढ़ती रही। कुछ समय पहले ही कर्नाटक हाईकोर्ट ने इस मामले में सोनू निगम को अंतरिम राहत दी थी। अदालत ने साफ किया था कि जब तक जांच पूरी नहीं हो जाती, तब तक गायक के खिलाफ कोई दंडात्मक कदम नहीं उठाया जाएगा। इस फैसले को सोनू के लिए एक बड़ी राहत माना जा रहा था, लेकिन पुलिस द्वारा पूछताछ की प्रक्रिया शुरू करने से साफ है कि मामला अभी भी पूरी तरह से खत्म नहीं हुआ है।

प्रकृति, रोमांच और सांस्कृतिक विविधता का संगम है पतरातू घाटी

झारखंड की राजधानी रांची से लगभग 35–40 किलोमीटर दूर स्थित पतरातू घाटी (च्ंजतंजन टंससमल) एक प्राकृतिक स्वर्ग है, जो अपने घुमावदार रास्तों, हरे–भरे जंगलों, शांत झीलों और सांस्कृतिक विविधता के लिए प्रसिद्ध है। यह घाटी रांची, रामगढ़ और हजारीबाग की पहाड़ियों के बीच स्थित है, जो इसे एक आदर्श सप्ताहांत गंतव्य बनाती है।

प्रमुख आकर्षण

1. पतरातू डैम और झील

पतरातू डैम, नलकारी नदी पर स्थित है, जिसे मूल रूप से पतरातू थर्मल पावर स्टेशन की जल आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए बनाया गया था। आज यह झील नौका विहार, पिकनिक और फोटोग्राफी के लिए एक प्रमुख आकर्षण बन गई है। झील के किनारे स्थित पतरातू लेक रिसॉर्ट पर्यटकों को आरामदायक आवास और जल क्रीड़ा की सुविधाएँ प्रदान करता है।

2. घुमावदार घाटी मार्ग

पतरातू घाटी का सड़क मार्ग अपने हेयरपिन मोड़ों और हरे–भरे दृश्यों के लिए प्रसिद्ध है। यह मार्ग ड्राइविंग और बाइकिंग के शौकीनों के लिए एक रोमांचक अनुभव प्रदान करता है।

3. प्राकृतिक सौंदर्य और वन्यजीवन

घाटी में घने जंगल, पहाड़ियाँ और जलप्रपात हैं, जो ट्रेकिंग, हाइकिंग और बर्ड वॉचिंग के लिए उपयुक्त हैं। यहाँ भारतीय जंगली भैंस, बार्किंग डियर और स्लॉथ बियर जैसे वन्यजीव पाए जाते हैं।

4. सांस्कृतिक विविधता

पतरातू क्षेत्र में संथाल और उरांव जैसे जनजातीय समुदाय निवास करते हैं, जिनकी सांस्कृतिक परंपराएँ और त्योहार पर्यटकों को आकर्षित करते हैं।

कैसे पहुँचें

सड़क मार्गः रांची से पतरातू घाटी तक छभ–33 के माध्यम से पहुँचा जा सकता है। यह मार्ग लगभग 35 किलोमीटर लंबा है और यात्रा के दौरान सुंदर दृश्य देखने को मिलते हैं।

रेल मार्गः निकटतम रेलवे स्टेशन पतरातू है, जो घाटी से लगभग 4 किलोमीटर दूर स्थित है।

वायु मार्गः निकटतम हवाई अड्डा बिरसा मुंडा एयरपोर्ट, रांची है, जो घाटी से लगभग 70 किलोमीटर दूर है।

यात्रा का सर्वोत्तम समय

अक्टूबर से मार्चः इस अवधि में मौसम सुखद होता है, जो यात्रा और बाहरी गतिविधियों के लिए उपयुक्त है।

जुलाई से सितंबरः मानसून के दौरान घाटी हरे–भरे परिदृश्य से भर जाती है, लेकिन भारी वर्षा के कारण फिसलन और सुरक्षा संबंधी चिंताएँ हो सकती हैं।

यात्रा सुझाव

घाटी के घुमावदार रास्तों पर सावधानीपूर्वक ड्राइव करें, विशेषकर बारिश के मौसम में।

रात के समय यात्रा से बचें, क्योंकि कुछ क्षेत्रों में सुरक्षा संबंधी चिंताएँ हो सकती हैं।

स्थानीय संस्कृति और पर्यावरण का सम्मान करें; कचरा न फैलाएँ और वन्यजीवों को परेशान न करें।

निष्कर्ष

पतरातू घाटी झारखंड का एक छिपा हुआ रत्न है, जो प्राकृतिक सौंदर्य, रोमांच और सांस्कृतिक विविधता का अद्भुत संगम प्रस्तुत करता है। यदि आप शहरी जीवन की भागदौड़ से दूर एक शांत और सुंदर स्थान की तलाश में हैं, तो पतरातू घाटी आपकी यात्रा सूची में अवश्य होनी चाहिए।

पैरेंटिंग टिप्सः रिजल्ट से नहीं, बच्चों के मानसिक शांति से मिलती है असली सफलता

बच्चों का रिजल्ट उनकी सफलता का एकमात्र पैमाना नहीं हो सकता है। अक्सर देखा जाता है कि जब बच्चों का रिजल्ट आता है, तो घरों में तनाव और दबाव बढ़ जाता है, जिससे बच्चे ठीक से सो नहीं पाते और मानसिक चिंता का सामना करते हैं। लेकिन सवाल यह है कि क्या सिर्फ एक एग्जाम का रिजल्ट पूरे जीवन को तय कर सकता है? बच्चों और उनके माता–पिता को इस तनाव से निपटने के लिए कुछ विशेष उपाय अपनाने चाहिए।

सही डाइट से मिलेगा मानसिक शांति

हमारे शरीर का दिमाग और पेट एक–दूसरे से जुड़े होते हैं। जब पेट में कोई गड़बड़ी होती है, तो मानसिक तनाव बढ़ सकता है। इसका समाधान सही आहार से हो सकता है। बच्चों को फल, साबुत अनाज, छाछ और अलसी के बीज जैसे पोषक तत्व देने से उनका शरीर और मन दोनों स्वस्थ रहेंगे।

सोच बदलें और ग्रोथ माइंडसेट अपनाएं

मार्क्स को जीवन की असली सफलता का पैमाना मानना गलत है। असली पहचान उनके गुणों से बनती है। बच्चों को यह समझाएं कि मेहनत और सीखने से हर कोई बेहतर बन सकता है, इससे उनका मानसिक संतुलन बेहतर होगा और वे सही दिशा में आगे बढ़ेंगे।

बच्चों से करें संवाद

बच्चे अक्सर परिवार के व्यवहार की नकल करते हैं। अगर आप शांत और सकारात्मक रहेंगे, तो बच्चे भी ऐसा ही महसूस करेंगे। बच्चों से 'रैंक क्या आई?' की बजाय 'तुम्हें अपने प्रयास पर कैसा लग रहा है?' जैसे सवाल पूछें। इससे बच्चों का आत्मविश्वास बढ़ेगा और वे अपनी मेहनत पर ध यान केंद्रित करेंगे।

बच्चों की मेहनत की सराहना करें

बच्चों के रिजल्ट की बजाय उनकी मेहनत और प्रयासों को सराहें। इससे उन्हें यह महसूस होगा कि उनकी पहचान सिर्फ अंक और परिणामों से नहीं, बल्कि उनकी कड़ी मेहनत और अच्छे गुणों से बनती है। इन उपायों से आप न सिर्फ बच्चों का मानसिक संतुलन बनाए रख सकते हैं, बल्कि उनके आत्मविश्वास और विकास में भी मदद कर सकते हैं।

जिन लोगों का बीपी रहता है बीपी लो वो जरुर खाएं ये 5 चीजें

आज के समय में खराब खानपान, तनाव और बैठकर काम करने की आदतों ने कई लोगों को ब्लड प्रेशर की समस्याओं से जूझने पर मजबूर कर दिया है। जहां हाई ब्लड प्रेशर को ज्यादा गंभीर माना जाता है, वहीं लो ब्लड प्रेशर (बीपी लो) भी उतना ही खतरनाक हो सकता है। इसमें व्यक्ति को अचानक चक्कर आना, कमजोरी लगना, आंखों के सामने अंधेरा छा जाना या बेहोशी तक हो सकती है। सामान्य रूप से एक स्वस्थ व्यक्ति का ब्लड प्रेशर 120/80 एमएम एचजी होना चाहिए। जब यह 90/60 एमएम एचजी से नीचे चला जाता है, तो उसे लो बीपी की स्थिति कहा जाता है। इस स्थिति में समय पर सही खानपान और सावधानी बरतना बेहद जरूरी हो जाता है।

कॉफी या चायः तुरंत राहत का आसान तरीका

जब ब्लड प्रेशर अचानक गिर जाए, तो कॉफी पीना सबसे आसान और असरदार उपाय हो सकता है। कॉफी में मौजूद कैफीन ब्लड सर्कुलेशन को तेज करता है, जिससे ब्लड प्रेशर तुरंत थोड़ा बढ़ जाता है। अगर कॉफी न मिले तो चाय भी एक अच्छा विकल्प हो सकती है। विशेष रूप से ब्लैक कॉफी लो बीपी में ज्यादा प्रभावी मानी जाती है।

अंडाः पोषण से भरपूर सुपरफूड

अंडा एक ऐसा खाद्य पदार्थ है जो कई पोषक तत्वों से भरपूर होता है। इसमें मौजूद प्रोटीन, आयरन और विटामिन ठ–12 लो बीपी में बहुत लाभकारी माने जाते हैं। ये तत्व रेड ब्लड सेल्स बनाने में मदद करते हैं और शरीर को ताकत देते हैं। लो बीपी की स्थिति में उबला अंडा या ऑमलेट एक हेल्दी हो सकता है।

डार्क चॉकलेटः स्वाद और सेहत का संगम

डार्क चॉकलेट सिर्फ स्वाद में ही नहीं, बल्कि सेहत के लिए भी फायदेमंद होती है। इसमें पाए जाने वाले फ्लेवनॉल्स रक्त वाहिकाओं को चौड़ा करते हैं और ब्लड फ्लो को बेहतर बनाते हैं। इससे बीपी बढ़ाने में मदद मिलती है। हालांकि ध यान रखें कि डार्क चॉकलेट का सेवन सीमित मात्रा में ही करें, ताकि शुगर का स्तर न बढ़े।

नींबू पानी, नारियल पानी और जूसः हाइड्रेशन है जरूरी

कई बार शरीर में पानी की कमी यानी डिहाइड्रेशन के कारण भी लो बीपी हो जाता है। ऐसे में दिनभर में कम से कम 2 लीटर पानी पीना जरूरी है। आप नींबू पानी, नारियल पानी, फ्रूट जूस या लस्सी का भी सेवन कर सकते हैं। ये ड्रिंक्स शरीर को हाइड्रेट करने के साथ–साथ ऊर्जा भी प्रदान करते हैं।

पनीरः नमक और प्रोटीन का कॉम्बो

लो बीपी के दौरान डॉक्टर थोड़ा नमक खाने की सलाह देते हैं, क्योंकि इससे बीपी थोड़ी देर में बढ़ सकता है। ऐसे में आप पनीर पर थोड़ा नमक या चाट मसाला डालकर खा सकते हैं। पनीर में प्रोटीन और फोलेट भरपूर होता है, जिससे शरीर को ताकत मिलती है और ब्लड प्रेशर नियंत्रित रहता है।

कब डॉक्टर से संपर्क करें?

हालांकि ऊपर दिए गए घरेलू उपाय लो बीपी की स्थिति में तुरंत राहत देने में मदद करते हैं, लेकिन अगर आपकी समस्या बार–बार होती है या बहुत गंभीर हो जाए, तो आपको तुरंत डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए। खुद से दवाइयां लेने से बचें और हमेशा मेडिकल सलाह के अनुसार ही इलाज करें। लो बीपी की समस्या को गंभीरता से लेना जरूरी है। यह न केवल आपके रोजमर्रा के कामों को प्रभावित करता है, बल्कि यदि समय पर ध्यान न दिया जाए तो यह जानलेवा भी हो सकता है। ऊपर बताए गए 5 फूड्स का सेवन करके आप अचानक आने वाले लो बीपी के लक्षणों को काफी हद तक कंट्रोल कर सकते हैं। साथ ही, संतुलित आहार और सही दिनचर्या अपनाकर आप इस समस्या से लंबे समय तक बच सकते हैं।

घर पर बनाना है कुलचा तो फॉलो करें ये रेसिपी, स्वाद ऐसा कि भूलेंगे नहीं आप

आप आसानी से घर पर कुलचा बिलकुल देसी तरीके से तैयार कर सकते हैं। इसको बनाने के लिए आपको तंदूर या ओवन की जरूरत नहीं होती है। आप इसको तवे पर आसानी से बना सकते हैं, ऐसे में आज हम आपको कुलचा बनाने की आसान सी रेसिपी के बारे में बताने जा रहे हैं।

भारतीय किचन में पराठों और रोटियों के साथ कुलचा भी काफी शौक से खाया जाता है। पंजाबी व्यंजन को कुल्चे का स्वाद काफी लाजवाब लगता है। खासकर छोले के साथ कुलचा को बड़े चाव से खाया जाता है। आमतौर पर कुलचा तंदूर या ओवन में बनाया जाता है। लेकिन हर घर में यह चीजें नहीं मौजूद होती हैं। इसलिए लोग बाहर से मंगवाकर खाना पसंद करते हैं। ऐसे में सवाल यह सवाल उठता है कि क्या हम घर पर कुलचा बनाकर नहीं खाया जा सकता है। आप आसानी से घर पर कुलचा बिलकुल देसी तरीके से तैयार कर सकते हैं। इसको बनाने के लिए आपको तंदूर या ओवन की जरूरत नहीं होती है। आप इसको तवे पर आसानी से बना सकते हैं, ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कुलचा बनाने की आसान सी रेसिपी के बारे में बताने जा रहे हैं।

सामग्री

मैदा– 3 कप
बेकिंग पाउडर– आधा छोटा चम्मच
बेकिंग सोडा– आधा छोटा चम्मच
दही– आधा कप
चीनी– 1 छोटा चम्मच
नमक– स्वादानुसार
तेल– 1 बड़ा चम्मच
गुनगुना पानी– जरूरत के अनुसार

ऐसे बनाएं तवा पर कुलचा

सबसे पहले एक बड़ी परात में मैदा छान लें। अब इसमें बेकिंग सोडा, बेकिंग पाउडर, चीनी और नमक मिलाएं। फिर मैदा में थोड़ा सा दही और गुनगुना पानी डालकर नरम आटा गूंथ लें। अब थोड़ा तेल लगाकर आटे को चिकना कर लें। इसके बाद आटे को ढककर 2–3 घंटे के लिए किसी गर्म जगह पर रख दें। जिससे कि यह फूल जाए और आटे की छोटी–छोटी लोई बनाएं।

इसके बाद बेलन की सहायता से कुलचा बेल लें और ऊपर से थोड़ा पानी लगाएं। अब इस पर कलौंजी और हरा धनिया छिड़कें। आप चाहें तो तिल का इस्तेमाल कर सकते हैं।

अब लोई को हल्का सा बेलन से दबा लें। फिर तवा को हल्की आंच पर गर्म करने के लिए रख लें। इसके बाद कुलचे का पानी वाला हिस्सा नीचे की ओर तवा पर रखें।

कुछ देर बाद नीचे से हल्का भूरा हो जाए तो तवा पलट दें। आप चाहें तो इसको सीधी आंच पर भी हल्का सेंक लें। अब कुलचे पर मक्खन लगाएं और छोटे के साथ गरमा–गरम सर्व करें। आप चाहें तो इसको चाय के साथ भी खा सकते हैं।

संक्षिप्त

घरेलू शेयर बाजार की सपाट शुरुआत, सेंसेक्स-निफ्टी में भारी उतार-चढ़ाव

मुंबई। हफ्ते के पहले कारोबारी दिन यानी सोमवार को घरेलू शेयर बाजार की सपाट शुरुआत हुई। सेंसेक्स और निफ्टी लाल निशान पर खुले। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 214.59 अंक गिरकर 82,116 अंक पर आ गया, जबकि निफ्टी 54 अंक गिरकर 24,965.80 अंक पर कारोबार करता दिखा। वहीं, शुरुआती कारोबार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 16 पैसे बढ़कर 85.41 पर पहुंच गया।

एनएसई के टॉप गेनर्स और टॉप लूजर्स शेयर

आईटी शेयरों और एशियाई बाजारों में कमजोर रुख

आईटी शेयरों और एशियाई बाजारों में कमजोर रुख के कारण सोमवार को शुरुआती कारोबार में इक्विटी बेंचमार्क सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में गिरावट दर्ज की गई। बीएसई का 30 शेयरों वाला सूचकांक सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 214.59 अंक गिरकर 82,116 पर आ गया। एनएसई निफ्टी 54 अंक गिरकर 24,965.80 पर आ गया।

किसे फायदा-किसे नुकसान?

सेंसेक्स की कंपनियों में इंफोसिस, इटरनल, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, इंडसइंड बैंक, एचसीएल टेक, रिलायंस इंडस्ट्रीज, टेक महिंद्रा और महिंद्रा एंड महिंद्रा पिछड़ते नजर आए। एनटीपीसी, एशियन पेंट्स, बजाज फाइनेंस और हिंदुस्तान यूनिलीवर लाभ में रहे। एक्सचेंज के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने शुक्रवार को 8,831.05 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे।

एशियाई और अमेरिकी बाजारों का हाल

एशियाई बाजारों में दक्षिण कोरिया का कोस्पी, जापान का निक्केई 225 सूचकांक, शंघाई का एसएसई कंपोजिट सूचकांक और हांगकांग का हैंग सेंग गिरावट के साथ कारोबार करते दिखाई दिए थे। शुक्रवार को अमेरिकी बाजार सकारात्मक दायरे में बंद हुए थे।

क्या कहते हैं विशेषज्ञ?

जियोजित इंवेस्टमेंट लिमिटेड के मुख्य निवेश रणनीतिकार वीके विजयकुमार ने कहा कि पिछले कारोबारी दिन से हैरान करने वाला रुझान यह है कि संस्थागत खरीद (एफआईआई और डीआईआई 14,018 करोड़ रुपये) के बावजूद बाजार में गिरावट आई। यह दिखाता है कि एफआईआई डेरिवेटिव बाजार में अपनी शॉर्ट पोजीशन बढ़ा रहे हैं। इसलिए आगे और अधिक अस्थिरता की उम्मीद करें।

शुरुआती कारोबार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 16 पैसे बढ़कर 85.41 पर

विदेशी बाजार में अमेरिकी मुद्रा की कमजोरी और एफआईआई की मजबूत लिवाली के चलते रुपया सोमवार को शुरुआती कारोबार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 16 पैसे बढ़कर 85.41 पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि स्थानीय

मुद्रा के सीमित दायरे में कारोबार करने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि वैश्विक रेटिंग एजेंसी मूडीज के अमेरिका की निवेश श्रेणी की रेटिंग को कम करने के कारण भी निवेशक सतर्क हैं। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में घरेलू मुद्रा डॉलर के मुकाबले 85.43 पर खुली। इसके बाद रुपया बढ़कर 85.41 पर पहुंच गया, जो पिछले बंद भाव के मुकाबले 16 पैसे की बढ़त दर्शाता है। रुपया शुक्रवार को डॉलर के मुकाबले तीन पैसे की गिरावट के साथ 85.57 पर बंद हुआ था। इसबीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.28 प्रतिशत की गिरावट के साथ 100.81 पर था। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड वायदा कारोबार में 0.43 प्रतिशत गिरकर 65.13 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने शुक्रवार को शुद्ध आधार पर 8,831.05 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे।

सोना वायदा भाव 918 रुपये बढ़कर 93,359 रुपये प्रति 10 ग्राम पर

मजबूत हाजिर मांग के कारण सटोरियों के ताजा सौदे करने से वायदा कारोबार में सोमवार को सोने का भाव 918 रुपये बढ़कर 93,359 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गया। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज में जून डिलीवरी वाले सोने के अनुबंध 918 रुपये या

0.99 प्रतिशत बढ़कर 93,260 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गए। इसमें 10,743 लॉट के लिए कारोबार हुआ। विश्लेषकों ने कहा कि प्रतिभागियों के ताजा सौदे करने से सोने की कीमतों में तेजी आई। वैश्विक स्तर पर न्यूयॉर्क में सोना वायदा भाव 0.80 प्रतिशत बढ़कर 3,229.30 डॉलर प्रति औंस हो गया।

तीन टीमों ने प्लेऑफ के लिए क्वालिफाई किया, अब चौथे स्थान के लिए MI-DC और LSG में टक्कर

नई दिल्ली। आईपीएल 2025 में रविवार को दो मैचों ने तीन टीमों के लिए प्लेऑफ का रास्ता साफ कर दिया। गुजरात टाइटंस, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और पंजाब किंग्स ने प्लेऑफ के लिए क्वालिफाई कर लिया है। वहीं, अब चौथे स्थान के लिए तीन टीमों के बीच टक्कर है। चार टीमें प्लेऑफ की रेस से बाहर हो चुकी हैं। हालांकि, प्लेऑफ के लिए क्वालिफाई करने वाली टीमों का पायदान तय नहीं है और यह आगे के कुछ मुकाबलों के बाद तय हो जाएगा। जिन तीन टीमों के बीच चौथे स्थान के लिए टक्कर है, उनमें मुंबई इंडियंस, दिल्ली कैपिटल्स और लखनऊ सुपर जाएंट्स शामिल हैं। लखनऊ को आज सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मैच खेलना है और इस मैच में हार लखनऊ को प्लेऑफ की रेस से बाहर कर देगी। वहीं, प्लेऑफ की रेस से बाहर होने वाली टीमों में राजस्थान रॉयल्स, चेन्नई सुपर किंग्स, सनराइजर्स हैदराबाद और कोलकाता नाइट राइडर्स शामिल हैं। आइए जानते हैं कि चौथे स्थान पर तीन टीमों में से किसकी दावेदारी मजबूत है और आगे उनके कौन कौन से मैच बचे हैं...

गुजरात, पंजाब और बेंगलुरु ने कैसे किया क्वालिफाई?

आरसीबी का कोलकाता के खिलाफ मुकाबला बारिश से धुल गया था। दोनों टीमों को एक-एक अंक मिले थे। इससे बेंगलुरु के 12 मैचों में 17 अंक हो गए थे। इसके बाद रविवार को गुजरात ने दिल्ली को और पंजाब ने राजस्थान को हराकर दो-दो अंक बटोरे। इससे गुजरात के 12 मैचों में 18 अंक और पंजाब के 12 मैचों में 17 अंक हो गए। इन तीनों टीमों के अभी दो-दो और मैच बाकी हैं। ऐसे में ये टीमें 20 अंक का आंकड़ा भी पार कर सकती हैं। अन्य टीमों में सिर्फ मुंबई ही है जो 17 अंक को पार सकती है। दिल्ली अधिकतम 17 अंक तक पहुंच सकती है। वहीं, लखनऊ अधिकतम 16 अंक तक पहुंच सकती है। ऐसे में आरसीबी और पंजाब ने क्वालिफाई कर लिया।

बेंगलुरु, गुजरात और पंजाब ने बनाया रिकॉर्ड

बेंगलुरु ने पिछले छह सीजन में पांचवीं बार प्लेऑफ के लिए क्वालिफाई किया है। वहीं, गुजरात ने पिछले चार सीजन में तीसरी बार प्लेऑफ के लिए क्वालिफाई किया। हालांकि, यह पंजाब के लिए बड़ी उपलब्धि है, क्योंकि टीम ने 11 वर्षों में पहली बार प्लेऑफ के लिए क्वालिफाई किया। टीम ओवरऑल तीसरी बार प्लेऑफ में पहुंची है। श्रेयस आईपीएल में पहले कप्तान बन गए हैं, जिसने तीन टीमों को प्लेऑफ में पहुंचाया है। पंजाब से पहले वह दिल्ली के कप्तान (2019, 2020) रहते हुए और 2024 में कोलकाता के कप्तान रहते हुए प्लेऑफ में पहुंच चुके हैं।

मुंबई की टीम कैसे कर सकती है क्वालिफाई?

मुंबई की टीम के दो मैच बाकी हैं। उन्हें 21 मई को दिल्ली कैपिटल्स से मुंबई में और 26 मई को पंजाब किंग्स से जयपुर में भिड़ना है। इन दोनों मैचों में जीत मुंबई को प्लेऑफ में पहुंचा देगी। यहां तक कि मुंबई की दिल्ली पर जीत उन्हें प्लेऑफ में पहुंचा देगी। अगर मुंबई की टीम दिल्ली को हरा देती है तो उनके 16 अंक हो जाएंगे। हालांकि, उससे पहले मुंबई को यह भी मनाना होगा कि लखनऊ 19 मई को हैदराबाद से हार जाए। इससे लखनऊ तो बाहर हो ही जाएगी, साथ ही मुंबई का रास्ता आधा साफ हो जाएगा। फिर दिल्ली पर जीत प्लेऑफ में उनकी सीट पक्की कर देगी। इसके बाद टीम अगर पंजाब से हार भी जाती है तो कोई फर्क नहीं पड़ेगा। लखनऊ अगर अपने तीनों मैच जीतती है तो मुंबई को दोनों मैच जीतने होंगे। दिल्ली के खिलाफ हार मुंबई के समीकरण को बिगाड़ सकती है। फिर उन्हें पंजाब के खिलाफ हर हाल में जीत दर्ज करनी होगी, साथ ही यह मनाना होगा कि दिल्ली और लखनऊ बाकी बचे मैचों में से कम से कम एक मैच हारे।

दिल्ली की टीम कैसे क्वालिफाई कर सकती है?

दिल्ली ने इस सीजन अपने अभियान की शुरुआत काफी शानदार अंदाज में किया था। टीम ने लगातार चार मैच जीते थे। सीजन के ज्यादातर हिस्से में यह टीम शीर्ष पांच में बनी रही। हालांकि, पिछले आठ मैचों में से पांच मैचों में हार ने इन्हें शीर्ष चार से बाहर कर दिया और टीम एलिमिनेट होने की दहलीज पर खड़ी है। टीम के पास अब मिचेल स्टार्क भी नहीं हैं। दिल्ली को प्लेऑफ के लिए क्वालिफाई करने के लिए हर हाल में अपने दोनों मैच जीतने होंगे। एक हार उनके सफर को समाप्त कर सकती है। दिल्ली को अब 21 मई को मुंबई इंडियंस से वानखेड़े में और 24 मई को पंजाब किंग्स से जयपुर में भिड़ना है।

लखनऊ की टीम कैसे क्वालिफाई कर सकती है?

लखनऊ के लिए एकमात्र विकल्प अपने सभी मैच जीतना है। इसके बावजूद उन्हें दूसरी टीमों के नतीजों पर निर्भर रहना होगा। तीनों मैच में जीत उन्हें अधिकतम 16 अंक तक पहुंचाएगी। इसके बाद उन्हें मनाना होगा कि मुंबई अपने दोनों मैच हार जाए, साथ ही दिल्ली भी कम से कम एक मैच हार जाए। इससे 16 अंक लेकर भी लखनऊ की टीम प्लेऑफ के लिए क्वालिफाई कर जाएगी। मुंबई की एक भी जीत लखनऊ को बाहर करने के लिए काफी होगी। ऐसा इसलिए क्योंकि लखनऊ का नेट रन रेट बेहद कम और मुंबई का सबसे ज्यादा है। नेट रन रेट के मामले में मुंबई की टीम शीर्ष पर है। वहीं, लखनऊ का नेट रन रेट माइनस में है। लखनऊ को 19 मई को हैदराबाद से इकाना में, 22 मई को गुजरात से अहमदाबाद में और 27 मई को बेंगलुरु से इकाना में भिड़ना है।

हैमस्ट्रिंग की चोट से निपटने के लिए स्टोक्स ने छोड़ी शराब, कहा- जनवरी से बोतल को हाथ तक नहीं लगाया

लंदन। इंग्लैंड के टेस्ट कप्तान इन दिनों रिहैब से गुजर रहे हैं। वह फिर से फिट होने के लिए तरह तरह के तरीके अपना रहे हैं। स्टोक्स को हैमस्ट्रिंग में चोट लगी थी और रिहैब के दौरान उन्होंने शराब पीना छोड़ दिया है। स्टोक्स भारत के खिलाफ आगामी टेस्ट सीरीज में इंग्लिश टीम के लिए अहम कड़ी होंगे। वह ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आगामी एशेज सीरीज की तैयारी में भी जुट गए हैं। स्टोक्स ने कहा कि उन्होंने इस साल की शुरुआत में शराब पीना छोड़ दिया था, क्योंकि उन्हें उम्मीद थी कि शराब छोड़ने से उनकी चोट जल्दी ठीक हो जाएगी। 33 वर्षीय स्टोक्स ने दिसंबर में न्यूजीलैंड के खिलाफ तीसरे टेस्ट के दौरान चोट लगने के बाद अपने बाएं हैमस्ट्रिंग की सर्जरी करवाई थी। इसके कारण वह लंबे समय के लिए खेल से दूर हो गए हैं। वह आईपीएल का भी हिस्सा नहीं हैं। उनकी गैरमौजूदगी में ओली पोप टेस्ट टीम की कप्तानी कर रहे हैं। स्टोक्स ने अनटैप्ड पॉडकास्ट से कहा, श्जब मुझे पहली बार गंभीर चोट लगी थी तो उस वक्त मुझे उसका सदमा याद है। शुरुआती एड्रेनालाईन बंद होने के बाद मैं सोच रहा था यह कैसे हुआ? हमने चार या पांच रात पहले थोड़ी शराब पी थी। मैं सोच में पड़ गया कि क्या इसकी वजह से दिक्कत और बढ़ गई? फिर मैंने सोचा ठीक है, मुझे अपनी इस आदत को बदलना होगा। स्टोक्स को पिछले साल हंड्रेड में हैमस्ट्रिंग में चोट लगी थी। हालांकि, इसके बावजूद वह न्यूजीलैंड के टेस्ट दौरे पर गए और वहां फिर से चोटिल हो गए। स्टोक्स ने कहा, श्मुझे नहीं लगता कि मैं कभी पूरी तरह से शराब छोड़ पाऊंगा, लेकिन मैंने दो जनवरी से शराब नहीं पी है।

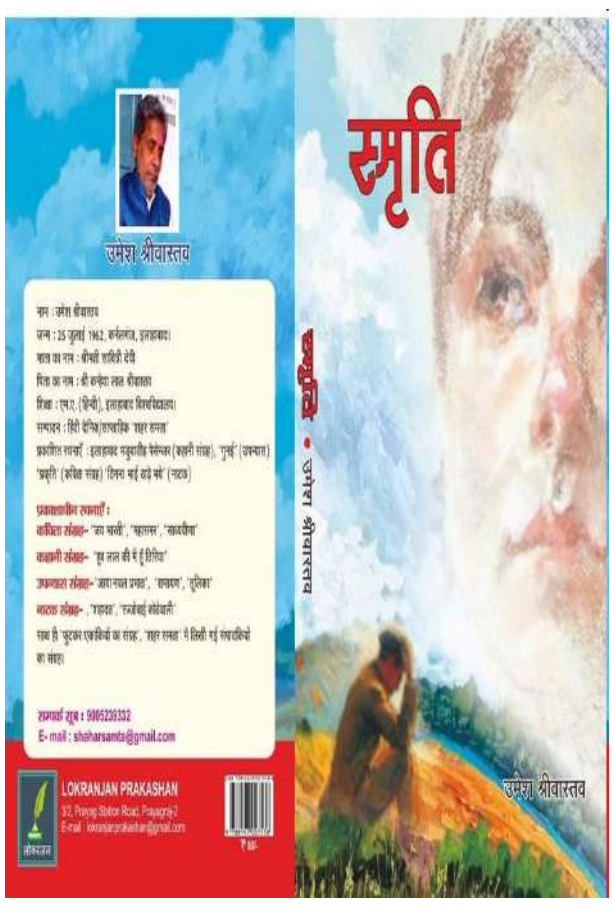

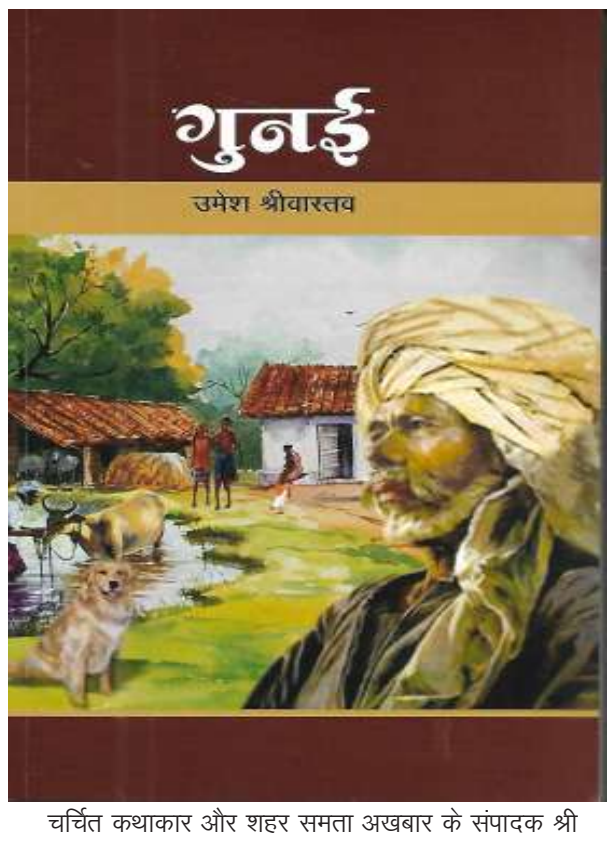

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

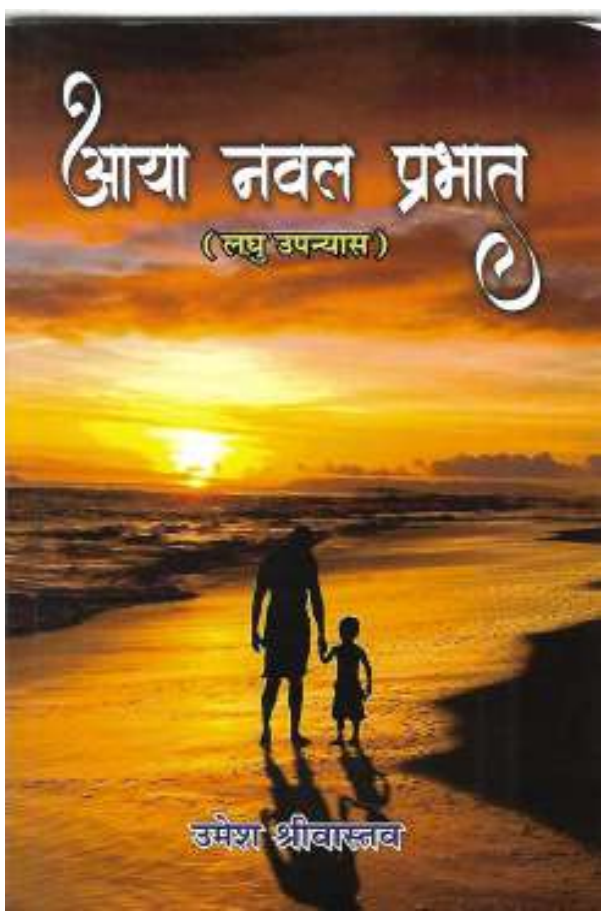

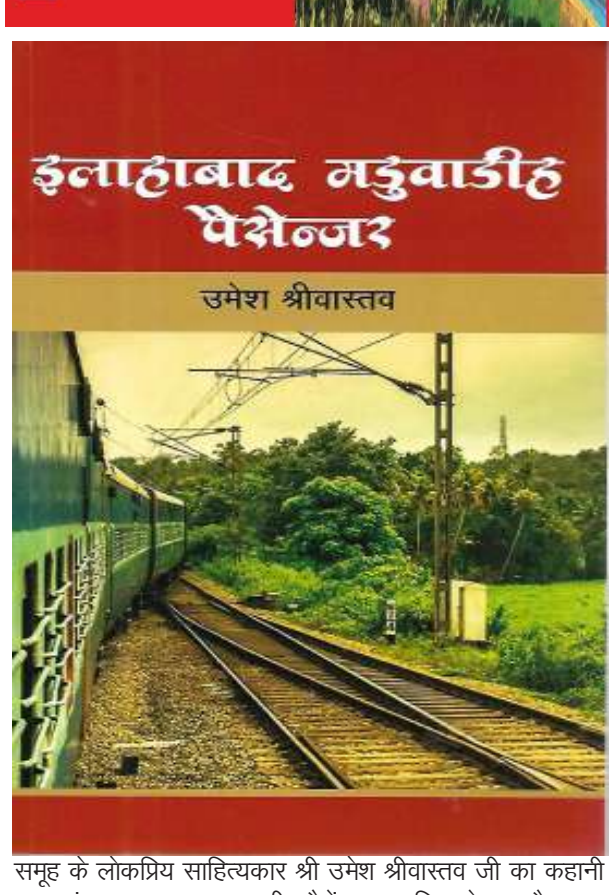

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

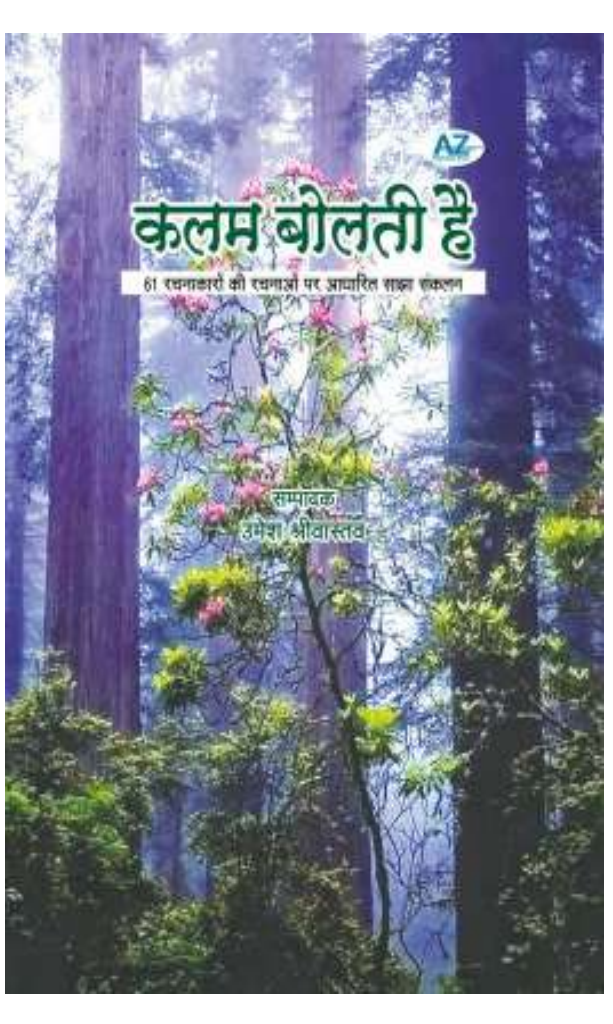

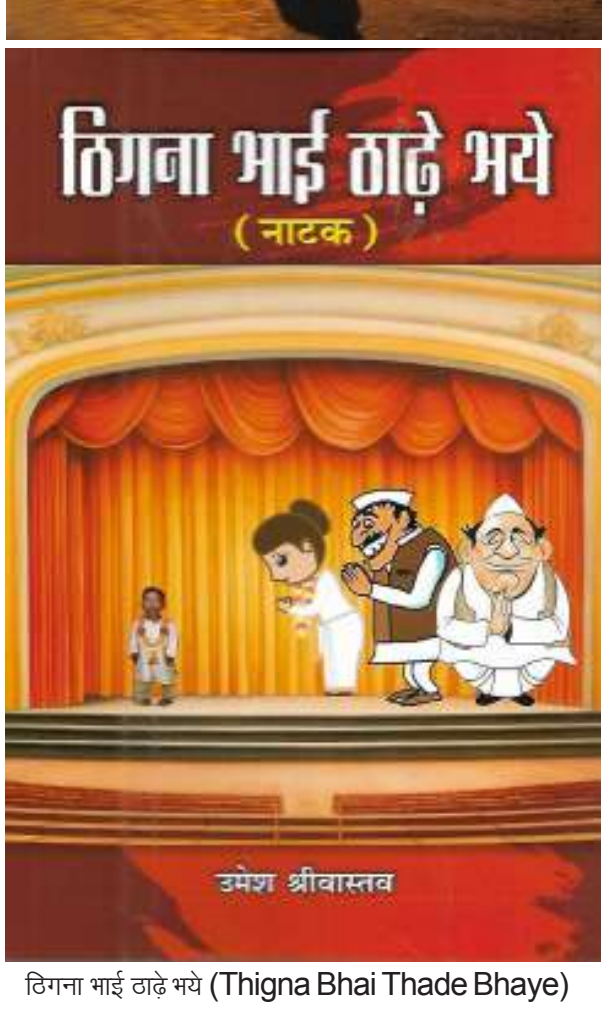

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

24 घंटे में 250 मौतें, इजरायल ने अब कहां बरपाया कहर

इजारयली सेना ने गाजापट्टी में बड़े स्तर पर नया जमीनी सैन्य अभियान शुरू करने का ऐलान किया। गाजा में बीती रात और रविवार को हुए इजरायल के हवाई हमलों में कम से कम 103 लोगों की मौत हो गई। कुछ हमले विस्थापित लोगों के घरों और तंबुओं पर हुए। मरने वालों में आधे से ज्यादा महिलाएं और बच्चे हैं। इस्राइल ने हमास पर दवाव बढ़ाने के लिए नया सैन्य हमला शुरू किया है, ताकि उसकी शर्तों पर एक अस्थायी संघर्षविराम हासिल किया जा सके। हमास का कहना है कि वह उसी संघर्षविराम को मानेगा जिसमें इस्राइली सेना पीछे हटे। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, पिछले 24 घंटे में

इजराइली हमलों में 150 से अधिक लोग मारे गए हैं। उसने कहा कि 18 मार्च को इजराइल द्वारा जनवरी में किये गए युद्ध विराम को तोड़ने के बाद से अब तक लगभग 3,000 लोग मारे गए हैं। अल–अवदा अस्पताल के अनुसार, शनिवार दोपहर को उत्तर में जबालिया शरणार्थी शिविर में एक इजराइली हमले में कम से कम चार बच्चे मारे गए। ये शव इसी अस्पताल में लाये गए। इसके अनुसार एक घर पर हुए हमले में सात अन्य घायल हो गए। अस्पताल ने बताया कि बाद में जबालिया में हुए एक अन्य हमले में चार लोग मारे गए। मध्य गाजा में दीर अल–बलाह के पूर्व में हुए एक हवाई हमले में एक महिला और तीन बच्चों की मौत हो गई, शवों को अल–अक्सा अस्पताल लाया गया। दीर अल–बलाह में हुए एक अन्य हमले में एक महिला समेत चार लोग मारे गए। हमलों पर इजरायली की ओर से तत्काल कोई टिप्पणी नहीं की गई। एक अलग बयान में कहा गया कि सेना ने उत्तरी गाजा में एक भूमिगत मार्ग को ध्वस्त करते हुए दर्जनों लड़ाकों को मार गिराया।

लश्कर–ए–तैयबा का सैफुल्लाह खालिद पाकिस्तान में मारा गया, भारत में 3 बड़े हमलों में था शामिल

लश्कर–ए–तैयबा का शीर्ष आतंकवादी सैफुल्लाह खालिद पाकिस्तान के सिंध प्रांत में मारा गया है। खालिद ने भारत में कई हाई–प्रोफाइल आतंकवादी हमलों को अंजाम दिया है। इंडिया टुडे टीवी ने सूत्रों के हवाले से बताया कि कुछ अज्ञात हमलावरों ने

पाकिस्तान के सिंध प्रांत में सैफुल्लाह खालिद की हत्या कर दी। खालिद से पहले भी कई आतंकवादी अज्ञात हमलावरों द्वारा मारे जा चुके हैं। खालिद तीन बड़े हमलों में मुख्य साजिशकर्ता थारू 2005 में बेंगलुरु में भारतीय विज्ञान कांग्रेस (ैप्) पर हमला, 2006 में नागपुर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (ै) मुख्यालय पर हमला और 2008 में रामपुर में सीआरपीएफ कैंप पर हमला। तीन साल की अवधि में किए गए इन हमलों में कई लोगों की जान चली गई और भारतीय धरती पर स्मज के अभियानों में भारी वृद्धि हुई।

सोमालिया में सैन्य भर्ती केंद्र पर आत्मघाती हमला, 13 लोगों की मौत

सोमालिया की राजधानी मोगादिशु में रविवार को एक आत्मघाती हमलावर ने सैन्य शिविर में भर्ती से जुड़े पंजीकरण के लिए इंतजार कर रहे युवाओं को निशाना बनाकर हमला किया, जिसमें कम से कम 13 लोगों की मौत हो गई और 21 अन्य घायल हो गए। प्रत्यक्षदर्शियों ने यह जानकारी दी। मोगादिशु को पूर्व में अल–कायदा से जुड़े अल–शबाब चरमपंथी समूह द्वारा बार–बार निशाना बनाया गया है। यह समूह शरिया की अपनी सख्त व्याख्या को लागू करने के प्रयास के तहत अक्सर सैन्य और सरकारी स्थलों पर हमला करता है। ऑटोरिक्शा चालक अब्दुलकादिर हसन मोहम्मद ने कहा, ''एक जोरदार विस्फोट हुआ और तुरंत लोग सभी दिशाओं में भागने लगे। हर जगह शव पड़े हुए थे।'' इस हमले की तत्काल किसी ने जिम्मेदारी नहीं ली।

पुतिन, जेलेंस्की के साथ बातचीत करेंगे ट्रंप

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप रूस के नेता व्लादिमीर पुतिन और यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की के साथ सोमवार को फोन पर बात करेंगे। ट्रंप ने उम्मीद जताई है कि इस बातचीत से रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध विराम समझौता कराने की दिशा में प्रगति होगी। ट्रंप ने सप्ताहांत में सोशल मीडिया पर एक 'पोस्ट' साझा कर सोमवार को ''सार्थक दिन'' रहने और ''युद्ध विराम'' की दिशा में प्रगति की उम्मीद जताई। वह उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) के सदस्य देशों के नेताओं से भी फोन पर बात करेंगे। ट्रंप फरवरी 2022 में रूस के आक्रमण के साथ शुरू हुए युद्ध को समाप्त कराने के लिए संघर्ष कर रहे हैं।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर 9190052 39332
919450482227

चीन तो पहले ही आधा पाकिस्तान गिरवी रख चुका था, अब बीच में ट्रंप ने आईएमएफ से क्या नया खेल करवा दिया

भारत पाकिस्तान के बीच तनाव की स्थिति अपने चरम पर थी। तब भारत के लाख विरोध के बावजूद अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने पाकिस्तान को लोन की मंजूरी दे दी। 2.3 बिलियन डॉलर की रकम पाकिस्तान को दी जानी थी। लेकिन अब इसमें आईएमएफ ने नई शर्त रख दी है। आईएमएफ की तरफ से पैसा रिलीज किए जाने की सूरत में पाकिस्तान को ये 11 शर्तें माननी होंगी। इससे पहले भी आईएमएफ ने पाकिस्तान को कर्ज दिया था उस वक्त भी अपनी शर्तें पाकिस्तान पर थोपी थी। उसके बाद पाकिस्तान में बेरोजगारी और महंगाई के लिए आलम को पूरी दुनिया ने देखा था। अब अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने अपनी कर्ज राहत योजना की अगली किस्त जारी करने के लिए 11 नई शर्तें जोड़ दी है। अब तक कुल 50 शर्तें आईएमएफ पाकिस्तान पर थोप चुका है। इसके अलावा आईएमएफ ने भारत–पाकिस्तान के बीच के तनाव को कार्यक्रम के लिए खतरा बताया है। एक रिपोर्ट में बताया गया था कि भारत और पाकिस्तान के बीच में अगर तनाव बढ़ता है कि तो पड़ोसी देश के आर्थिक सुधार, बजट संतुलन और विदेशी लेन–देन से जुड़े सभी लक्ष्यों पर असर पड़ सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक, हाल ही में भारत की आतंकवादी ठिकानों पर की गई स्ट्राइक और पाकिस्तान की जवावी कार्रवाई ने माहौल को और ज्यादा संवेदनशील बना दिया है। आईएमएफ ने अनुमान लगाया है कि वित्त वर्ष के लिए पाकिस्तान का रक्षा बजट 2. 414 लाख करोड़ रुपए हो सकता है, जो 12: ज्यादा है। वहीं, पाकिस्तानी सरकार ने 2. 5 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा आवंटित करने का संकेत दिया है, जो भारत के साथ संघर्ष के बाद 18: की वृद्धि दशांता है।,

कौन–कौन सी नई शर्तें जोड़ी गईं?

पाकिस्तान को अपनी संसद से वित वर्ष 2026 के लिए 17. 6 लाख करोड़ रुपये के बजट को मंजूरी दिलानी होगी।

बिजली बिल में लगने वाला डेट सर्विस सरचार्ज 3.21 रुपये प्रति यूनिट की अधिकतम सीमा में नहीं रहेगा। लोगों पर बोझ बढ़ेगा।

अब 5 साल पुरानी कारों तक के आयात की इजाजत दी जाएगी। फिलहाल सिर्फ 3 साल पुरानो कारों को मंगाने की अनुमति थी।

पाकिस्तान के चारों प्रांतों को कृषि आयकर लागू करने की योजना बनानी होगी। टैक्सपेयर की पहचान, पंजीकरण, ऑनलाइन रिटर्न शामिल हैं।

पाकिस्तान को एक कार्य योजना सार्वजनिक करनी होगी, जिसमें सरकारी तंत्र की कमजोरियों को सुधारने के उपाय बताए जाएंगे।

वित्तीय योजना बनानी होगी, जो 2028 से आगे की वित्तीय संस्थागत रूपरेखा को स्पष्ट करे।

ऊर्जा क्षेत्र में सख्त शर्तें

बिजली दरों की वार्षिक समीक्षा और लागू करना अनिवार्य होगा

गैस दरों की समीक्षा फरवरी 2026 तक लागू करनी होगी

घाटे वाली बिजली व्यवस्था को सुधारने के लिए उपभोक्ताओं पर अतिरिक्त

बोझ डाला जाएगा

आईएमएफ–वर्ल्ड बैंक ने कहा कि गलत एनर्जी पॉलिसी के चलते ही कर्जी की स्थिति

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडेन को हुआ प्रोस्टेट कैंसर, हड्डियों तक फैली गंभीर बीमारी

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन प्रोस्टेट कैंसर से पीड़ित हैं। पिछले हफ़्ते उन्होंने मूत्र संबंधी समस्याओं के कारण डॉक्टरों से परामर्श किया, जिसके परिणामस्वरूप प्रोस्टेट नोड्यूल का पता चला। आगे की जांच के बाद उन्हें प्रोस्टेट कैंसर का पता चला, जिसमें कैंसर कोशिकाएं हड्डी तक फैल गई थीं। बाइडन के कार्यालय ने बताया कि बीमारी का यह अधिक गंभीर रूप है। कार्यालय के अनुसार, पूर्व राष्ट्रपति और उनका परिवार चिकित्सकों के साथ उपचार के संबंध में विचार विमर्श कर रहा है। प्रोस्टेट कैंसर की गंभीरता को ग्लीसन स्कोर पर क्रम दिया जाता है। यह स्कोर छह से 10 तक होता है जिसमें आठ, नौ और 10 स्कोर अत्यधिक गंभीर श्रेणी में आते हैं। बाइडन के कार्यालय ने कहा कि उनका स्कोर नौ है, जो दर्शाता है कि उनका कैंसर अत्यधिक गंभीर की श्रेणी में आता है। बाइडन की बीमारी सामने आने पर कई नेताओं ने उनके जल्द स्वस्थ होने की कामना की है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया पर कहा कि वह इस खबर से दुखी हैं। उन्होंने कहा कि हम जो के शीघ्र और पूरी तरह से स्वस्थ होने की कामना करते हैं। पूर्व उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने सोशल मीडिया पर लिखा, जो एक योद्धा हैं और मुझे पता है कि वह उसी ताकत और आशा के साथ डटकर इस चुनौती का भी मुकाबला करेंगे, जिसने हमेशा उनके जीवन और नेतृत्व को परिभाषित किया है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प लंबे समय से उनके राजनीतिक विरोधी रहे हैं, ने सोशल मीडिया पर पोस्ट किया कि वे इस खबर से दुखी हैं और उनके शीघ्र और सफल स्वस्थ होने की कामना करते हैं। ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट में लिखा, ष्मेलानिया और मैं जो बिडेन के हाल ही में हुए मेडिकल निदान के बारे में सुनकर दुखी हैं। हम जिल और परिवार को अपनी हार्दिक और शुभकामनाएँ देते हैं, और हम जो के शीघ्र और सफल स्वस्थ होने की कामना करते हैं।

अर्जेंटीना की राजनीति पर राष्ट्रपति मिलेई की पकड़ हुई मजबूत, स्थानीय चुनाव में दर्ज की अहम जीत

ब्यूनस आयर्स। एक समय मध्य–दक्षिणपंथी राजनीति का केंद्र रहा दक्षिण अमेरिकी देश अर्जेंटीना अब धुर उदारवादी पार्टी की तरफ झुकता दिखाई दे रहा है। दरअसल स्थानीय चुनाव में धुर उदारवादी पार्टी के उम्मीदवार ने जीत दर्ज की है। धुर उदारवादी पार्टी के नेता और मौजूदा राष्ट्रपति जेवियर मिलेई के लिए बड़ी जीत है क्योंकि इस साल के अंत में अर्जेंटीना में मध्यावधि चुनाव होने हैं। उससे पहले मिलेई की पार्टी की स्थानीय चुनाव में यह जीत कहीं न कहीं इस बात का संकेत है कि मिलेई की अर्जेंटीना की राजनीति में पकड़ मजबूत हो रही है।

विपक्षी पार्टी का गढ़ माना जाता था ब्यूनस आयर्स

मिलेई की पार्टी के उम्मीदवार मैनुअल एडोर्नी ने ब्यूनस आयर्स के चुनाव में जीत दर्ज की है और 30 प्रतिशत मत हासिल किए। वहीं पूर्व राष्ट्रपति मॉरिसियो मैक्री की मध्य दक्षिणपंथी पीआरओ पार्टी को बुरी हार का सामना करना पड़ा।

उल्लेखनीय है कि यह जीत मिलेई के लिए इसलिए भी खास है क्योंकि ब्यूनस आयर्स मध्य दक्षिणपंथी पार्टी का गढ़ माना जाता था, लेकिन मिलेई की पार्टी एलएलए ने उस गढ़ में भी सेंधमारी कर दी है। ब्यूनस आयर्स में पीआरओ पार्टी की 18 साल तक सरकार रही और अब उनकी पार्टी का उम्मीदवार तीसरे स्थान पर रहा है। वामपंथी पॉप्युलिस्ट पेरोनिस्ट पार्टी के उम्मीदवार को दूसरा स्थान मिला।

दक्षिणपंथी राजनीति का बढ़ रहा दबदबा

ब्यूनस आयर्स की 60 विधानसभा सीटों के लिए रविवार को मतदान हुआ। 25 लाख योग्य मतदाताओं में से करीब 53 प्रतिशत ने मतदान किया। मिलेई की पार्टी की जीत ने एक बात और साफ कर दी है कि दुनिया में दक्षिणपंथी राजनीति मजबूत हो रही है और यूरोप से लेकर अमेरिका तक यही पैटर्न दिखाई दे रहा है। अर्जेंटीना के ब्यूनस आयर्स में हुए चुनाव तकनीक और एआई का भी दखल देखने को मिला। दरअसल मैक्री की पार्टी ने शिकायत दर्ज कराई है कि मतदान से पहले मैक्री की एआई जेनरेट वीडियो बनाया गया, जिसमें मैक्री ने लोगों से अपील की कि उनकी पार्टी हार चुकी है, इसलिए वे मिलेई की पार्टी के उम्मीदवार को वोट करें।

कोलंबियाई इन्फ्लुएंसर की घर के बाहर गोली मारकर हत्या, डिलीवरी मैन बनकर पहुंचा आरोपी

बोगोटा। कोलंबिया के कुकुटा शहर में 22 वर्षीय सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर मारिया जोस एस्टुपिनन सांचेज की घर के बाहर गोली मारकर हत्या कर दी गई। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, सांचेज ला रिवेरा पड़ोस में अपने घर पर थीं। इस दौरान एक व्यक्ति डिलीवरी मैन बनकर वहां पहुंचा। वह नकली तोहफा लेकर आया था। जैसे ही सांचेज उसके पास पहुंची, आरोपी ने उन्हें गोली मार दी। यह पूरी घटना पड़ोस में लगे एक सुरक्षा कैमरे में कैद हो गई। जिसमें देखा गया है कि आरोपी गोली मारने के बाद मौके से भाग गया। फुटेज में लोगों के चिल्लाने की भी आवाज सुनी गई, जो मदद के लिए आवाज लगा रहे थे।

आरोपी ने पार्सल पहुंचाने का नाटक किया

घटना के तुरंत बाद सांचेज को अस्पताल ले जाया गया। हालांकि, उन्हें बचाया नहीं जा सका। पुलिस के अनुसार, यह घटना स्थानीय समयानुसार दोपहर एक बजे के आसपास हुई। कुकुटा के मेट्रोपॉलिटन पुलिस के कर्नल लियोनार्डो कैपाचो ने कहा कि सांचेज की हत्या ऐसे व्यक्ति ने की है, जिसने पार्सल पहुंचाने का नाटक किया था।

हत्या के एक दिन पहले जीता था घरेलू हिंसा का मामला

स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, सांचेज ने एक दिन पहले ही अपने पूर्व प्रेमी के खिलाफ घरेलू हिंसा का मामला जीता था। अदालत ने उन्हें 30 मिलियन सीओपी (लगभग 7,000 अमेरिकी डॉलर) का हर्जाना देने का आदेश दिया था। इसके बाद, सांचेज की हत्या कर दी।

पूर्व प्रेमी को संदिग्ध मानकर जांच कर रही पुलिस

पुलिस अब पूर्व प्रेमी को संदिग्ध मानकर मामले की जांच कर रही है। पुलिस का मानना है कि सांचेज को अदालत में मिली जीत का हत्या से संबंध हो सकता है। हालांकि, मामले में अभी तक किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है। पुलिस सीसीटीवी फुटेज में जैकेट, जींस और बैकपैक के साथ टोपी पहने हुए संदिग्ध की तलाश कर रही है।

पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में बमबारी में चार लोगों की मौत, 20 अन्य घायल

पाकिस्तान के अशांत बलूचिस्तान प्रांत में एक बाजार के निकट बम विस्फोट में चार लोगों की मौत हो गई और 20 अन्य घायल हो गए। सोमवार को मीडिया में आई खबरों से यह जानकारी मिली। विस्फोट रविवार को बलूचिस्तान के किला अब्दुल्ला जिले में जब्बार मार्केट के पास हुआ, जिससे इमारत को भारी नुकसान पहुंचा और व्यापक पैमाने पर दहशत फैल गई। 'एक्सप्रेस ट्रिब्यून' अखबार की खबर के अनुसार, विस्फोट के बाद कई दुकानें ढह गईं और कई प्रतिष्ठानों में आग लग गई। किला अब्दुल्ला के उपायुक्त रियाज खान ने बताया कि विस्फोट में चार लोगों की मौत हो गई और 20 अन्य घायल हो गए। उन्होंने बताया कि यह बाजार फ्रंटियर कोर (एफसी)

किले की पिछली दीवार के पास स्थित था। विस्फोट के बाद अज्ञात हमलावरों और एफसी कर्मियों के बीच गोलीबारी हुई। कानून प्रवर्तन अधिकारियों ने इलाके को सील कर दिया और व्यापक तलाशी एवं इलाके को खाली कराने का अभियान शुरू किया। घायलों में कबायली बुजुर्ग हाजी फैजुल्लाह खान गबीजई का एक सुरक्षा गार्ड और कई अन्य लोग शामिल हैं। विस्फोट खुजदार जिले के नाल इलाके में एक 'चेक पोस्ट' पर अज्ञात हथियारबंद लोगों द्वारा की गई घातक गोलीबारी में चार लेवी कर्मियों की जान जाने के कुछ दिनों बाद हुआ है। पाकिस्तान में लेवी कर्मी अर्द्ध–सैनिक बल होते हैं जो बलूचिस्तान जैसे जनजातीय क्षेत्रों, ग्रामीण क्षेत्रों में सुरक्षा और कानून प्रवर्तन के लिए जिम्मेदार होते हैं। बलूचिस्तान लगभग दो दशकों से अशांति का सामना कर रहा है और स्थानीय जातीय बलूच समूहों और पार्टियों का आरोप है कि संघीय सरकार प्रांत की खनिज संपदा का दोहन कर रही है।

'ऑपरेशन सिंदूर अभी खत्म नहीं हुआ', भारतीय मिशन ने पुर्तगाल में पाकिस्तान को दिखाया आईना

लिस्बन। पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान में भारत के श्ऑपरेशन सिंदूरश से पड़ोसी देशों और उनकी आवाम अब तक उबर नहीं पाई है। इस बीच पुर्तगाल में भारतीय मिशन ने लिस्बन में पाकिस्तानी प्रदर्शनकारियों को करारा जवाब दिया। उन्होंने एक पोस्टर के जरिए भारत के ऑपरेशन सिंदूर की ताकत और सटीकता का संदेश दिया। इस दौरान भारतीय राजदूत प्रदीप कुमार अन्य राजनयिकों के साथ मजबूती से खड़े दिखाई दिए। उन्होंने 'ऑपरेशन सिंदूर– अभी खत्म नहीं हुआ है' लिखा एक बड़ा पोस्टर अपने पीछे दीवार पर लगाया और पाकिस्तान को आईना दिखाया। वाकया तब का है, जब पाकिस्तानी नागरिकों का एक समूह भारतीय मिशन के बाहर विरोध प्रदर्शन करने पहुंचा था। घटना रविवार की है। बताया गया कि पाकिस्तानी प्रदर्शनकारियों ने पाकिस्तानी सेना प्रमुख मुनीर की तस्वीरों के साथ जमकर बवाल मचाया। इस दौरान उन्होंने नारेबाजी की।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।